दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

पीआरजीआई (आरएनआई) रजि़ नं. 57282/1994 वर्ष 30 अंक 212 नई दिल्ली शनिवार 2 अगस्त, 2025 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

तमिल अभिनेता गिरफ्तार

चेन्नई, 1 अगस्त (निस) तमिल अभिनेता एस. श्रीनिवासन को दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन पर एक कंपनी को 1000 करोड़ रुपये का लोन दिलाने के बहाने ठगी करने का आरोप है और उन्हें मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।

हादसे में पांच की मौत

मैनपुरी 1 अगस्त (निस) उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एनएच 34 हाईवे पर दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। हादसा नगला ताल के पास हुआ, जब एक कार तेज रफ्तार ट्राले से टकरा गई। कार में सवार सभी लोग आगरा से एक बर्थडे पार्टी से लौटकर अपने घर जा रहे थे दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

9 सितम्बर को होगा उपराष्ट्रपति का चुनाव, आयोग का कार्यक्रम घोषित

सात अगस्त को अधिसूचना जारी होगी, 21 तक नामांकन होंगे

नई दिल्ली,1 अगस्त (निस): जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होगा। चुनाव आयोग की ओर से इलेक्शन की डेट जारी की गई है। आयोग का कहना है कि 21 अगस्त तक नामांकन स्वीकार किए जाएंगे और 9 सितंबर को चुनाव होगा। उसी दिन शाम तक वोटों की गिनती के बाद नतीजे का ऐलान कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से शेडयूल के मुताबिक 7 को उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होगी। इसके बाद 21 अगस्त तक नामांकन दाखिल करने की डेट रहेगी। 22 अगस्त को नामांकन पत्र की जांच और 25 तारीख तक उन्हें वापस लिया जा सकेगा। यदि एक से ज्यादा उम्मीदवारों का नामांकन आता हैं तब चुनाव कराना पड़ेगा और ऐसी स्थिति में 9 सितंबर को मतदान होगा। 9 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग होगी। इसके बाद काउंटिंग और शाम तक रिजल्ट आ जाएगा। बात दें कि धनखड़ ने 21 जुलाई की शाम को अचानक ही पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने इसकी जानकारी भी खुद ही एक्स अकाउंट पर शेयर करके दी थी। इससे पहले वे राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप आए थे। बता दें कि धनखड़ के इस्तीफे को लेकर अब तक कयासों का दौर जारी है। भले ही उन्होंने अपने इस्तीफे में बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला दिया था, लेकिन विपक्ष की ओर से लगातार कयास लगाए जा रहे हैं कि आखिर उन्होंने अचानक पद क्यों छोड़ा है। मोदी सरकार के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने को लेकर भी तमाम अपुष्ट दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन सरकार या फिर धनखड़ की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया है। गौरतलब है कि धनखड़ ने किसानों के मुद्दे पर तीखी राय जाहिर की थी।

करनाल में कार नहर में गिरने से महिला की मौत

करनाल, 1 अगस्त (रविन्द्र/संदीप): करनाल में क्रेटा कार पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई, जिसमें फर्नीचर कारोबारी और उनकी पत्नी सवार थे। महिला का शव घटनास्थल से बरामद हो गया, जबकि पति लापता है। गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन जारी है। हादसे के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। करनाल के सेक्टर-13 निवासी अमित मिगलानी अपनी पत्नी निशा मिगलानी के साथ घर पर दोनों बच्चों को छोड़कर खाना खाने के बाद कार में घूमने के लिए निकले, लेकिन कैथल रोड पर अचानक उनकी कार का संतुलन बिगड़ा और कार नहर में जा गिरी। गोताखोर कर्ण वहीं से निकल रहे थे, उन्होंने नहर में कार की बैक लाइट देखी और एक महिला और पुरूष को कार से चिल्लाते हुए सुना। दोनों बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रहे थे। गोताखोर कर्ण ने बताया कि शायद यह कार काछवा पुल से गिरी और करीब एक-डेढ़ किलोमीटर दूर तक बहती हुई आ रही थी, उन्होंने तुरंत नहर में छलांग लगा दी

ट्रम्प के टैरिफ अटैक पर भारत का पलटवार

एफ-35 फाइटर जैट खरीदने से किया इंकार

अमेरिका को जानकारी दी, पांचवीं पीढ़ी का विमान डेवपल खरीदने की इच्छा जाहिर की

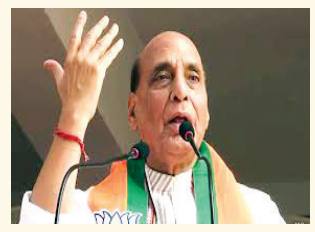

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है, इसके बाद ट्रंप की घोषणा का कारोबार पर असर पड़ने की पूरी संभावना है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मसले पर बातचीत की मंशा भी जाहिर की है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 फाइटर जेट को खरीदने से इंकार किया है। नई दिल्ली ने दो टूक कहा कि वह ज्वाइंट वेंचर के तौर पर पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान डेवपल करना चाहता है। बता दें कि भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस ने भी पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट मुहैय कराने का ऑफर दिया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार रूस ने तकनीक देन और संयुक्त रूप से पांचवीं पीढ़ी का विमान डेवलप करने का प्रस्ताव दिया है। एफ-35 फाइटर जेट पर भारत के रुख के बाद रूस का एसयू -57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट डील में फ्रंट रनर हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट खरीदने को लेकर इच्छुक नहीं है। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस बाबत भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि भारत ज्वाइंट और टेक?नोलॉजी ट्रांसफर के आधार पर डिफेंस डील करना चाहता है। बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान तकनीकी दिक्कतों के चलते केरल में तकरीबन 37 दिनों तक अटका रहा। इसके अलावा कैलिफोर्निया में एफ-35 जेट क्रैश भी हुआ है. इन दोनों घटनाओं से एफ-35 की काबिलियत पर गंभीर सवाल उठे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका से आयात बढ़ाकर हालात को संतुलित करने की कोशिश कर सकता है। इसमें खास तौर पर प्राकृतिक गैस, कम्यूनिकेशन इक्विपमेंट और सोने के आयात को बढ़ाने पर विचार हो रहा है। इन कदमों से आने वाले 3 से 4 सालों में अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस कम हो सकता है। हालांकि, भारत ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी रक्षा उपकरणों की अतिरिक्त खरीद नहीं करेगा। इसमें एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट का प्रस्ताव भी शामिल है, जिसकी पेशकश ट्रंप ने फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान की थी। भारत ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और घरेलू रक्षा निर्माण पर जोर देने की नीति पर जोर देगा।

भारत ने रूस से तेल खरीदने का रुख दोहराया

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक और रणनीतिक संबंध समय-समय पर तनाव में आते रहे हैं। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की, साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था को मृत कहकर आलोचना की। भारत ने इस टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन इस टैरिफ के संभावित प्रभाव की गहन समीक्षा कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने ट्रंप के बयान को ध्यान से देखा है और निर्यात पर पड़ने वाले असर की जांच कर रहा है। उन्होंने साफ कहा, हमें कुछ नहीं कहना है। यह बयान यह दर्शाता है कि भारत फिलहाल विवाद से बचते हुए कूटनीतिक तौर पर स्थिति को संभालना चाहता है। अमेरिका और पश्चिमी देशों की आलोचनाओं के बीच भारत ने रूस से तेल खरीदने के अपने फैसले को दोहराया है। विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा नीति वैश्विक बाजार की परिस्थितियों और उपलब्ध सर्वोत्तम विकल्पों पर आधारित है। रणधीर जायसवाल ने कहा, अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में हम बाजार में उपलब्ध विकल्पों और वैश्विक परिस्थितियों को देखते हैं। बयान से साफ है कि भारत किसी भी देश पर निर्भर नहीं रहेगा और अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखेगा। रिपोर्टों में दावा किया गया था कि सरकारी रिफाइनरियों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है।

राहुल गांधी का दावा: मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर हमारे पास पुख्ता सबूत, चुनाव आयोग जवाबदेह बनेगा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (निस) बिहार में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची को लेकर चल रहे गहन पुनरीक्षण का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। संसद में इसके खिलाफ विपक्षी दलों का लगातार आंदोलन कर रहे है। इसके अलावा विपक्ष की ओर से सदन में भी इसकी चर्चा की मांग उठ रही है। इस बीच राहुल गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात कर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर बड़ी चीजें हाथ लगी हैं, जिसका खुलासा होने पर चुनाव आयोग नहीं दिखेगा।

राहुल गांधी ने कहा, हमें मध्य प्रदेश में संदेह था, आम चुनाव में संदेह था। महाराष्ट्र में हमारा शक और बढ़ गया। राज्य विधानसभा चुनाव के स्तर पर हमें लगा कि वोटों की चोरी हुई है। फिर हमारे द्वारा शोध किया। पार्टी ने अपने स्तर पर जांच की, इस जांच में 6 महीने लगे। हमें जो मिला है, वहां एटम बम है। वह जब फटेगा, तब चुनाव आयोग यहां दिखेगा नहीं।'

पत्रकारों से चर्च करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। मैं हल्के-फुल्के अंदाज में नहीं बोल रहा हूं, मैं 100 प्रतिशत सबूत के साथ कह रहा हूं। चुनाव आयोग यह सबकुछ भाजपा के लिए करा रहा है। राहुल गांधी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, मैं बड़ी गंभीरता से कह रहा हूं कि चुनाव आयोग में जो भी यह काम कर रहे हैं, आपको हम छोड़ने वाले नहीं है। आप सेवानिवृत्त हो गए हों, या कहीं भी हों, आपको ढूंढ़कर निकलने वाले है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पिछले कुछ सप्ताह से लगातार यह दावा कर रहे हैं कि कर्नाटक में लोकसभा चुनाव क्षेत्र में उनकी पार्टी ने मतदाता सूचियों की जांच करवाई है जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितता मिली है तथा जल्द ही इसका विवरण सार्वजनिक होगा। वहीं चुनाव आयोग (ईसी) ने 24 जुलाई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावे पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। आयोग ने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने न केवल ''बेबुनियाद आरोप'' लगाए, बल्कि एक संवैधानिक संस्था को ''धमकाने'' का भी प्रयास किया।

राहुल गांधी देश के सम्मान को बचाए रखने की जिम्मेदारी समझें-किरण रिजिजू

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस): केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर कायज़्वाही बाधित करने और भारत विरोधी बयान देने का आरोप लगाकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं और उन्हें देश के सम्मान को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो भारत विरोधी हैं और यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय अथज़्व्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता। रिजिजू ने दावा किया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भी राहुल गांधी के इन बयानों की निंदा की है। राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं, यह हर भारतीय का कतज़्व्य है, और विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें समझना चाहिए कि देश विरोधी बयान देना और संसद को बाधित करना सही नहीं है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष पर हंगामा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांग पर ऑपरेशन सिंदूर पर चचाज़ हुई थी, जिसमें सभी दलों ने भाग लिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक बार जब एक विषय पर चचाज़ समाप्त हो जाती है, तब विभिन्न दलों द्वारा नोटिस दिए जाते हैं, लेकिन बहस शुरू होते ही वे सदन के वेल में आ जाते हैं।

हंगामा कर रहे सांसदों का रवैया ठीक नहीं जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे-बिरला

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) संसद के मानसून सत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी हंगामे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों को कड़ी नसीहत दी है। दरअसल शुक्रवार को जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों ने एक बार फिर एसआईआर मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया, जिसे देखते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ गया। इससे पहले सभापति ओम बिरला ने कहा, आप जनता की ओर से मिले अवसर को नारेबाजी और तख्तियों में बर्बाद कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए जरूरी है कि सांसद प्रश्न उठाएं और सरकार जवाबदेह बने। बिरला ने कहा, कि आप तख्तियां लहराकर और नारे लगाकर जनता की भावनाओं को व्यक्त नहीं कर रहे, बल्कि उन पर मिले विश्वास को ठेस पहुंचा रहे हैं। इस दौरान बिरला ने कुछ वरिष्ठ सदस्यों की ओर संकेत करते हुए कहा कि उनसे इस तरह के आचरण की अपेक्षा नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रश्नकाल एक महत्वपूर्ण समय होता है और नारेबाजी से अन्य सांसदों का अधिकार छीना नहीं जा सकता। बिरला ने यह भी कहा, मेरा रोज आपसे आग्रह रहता है कि सदन को चलने दें। देश की जनता की अपेक्षाएं आपसे हैं। आप बहस करें, सवाल पूछें और सरकार से जवाब लें।

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता-मालेगांव धमाके पर फैसले पर कांग्रेस सांसद की प्रतिक्रिया

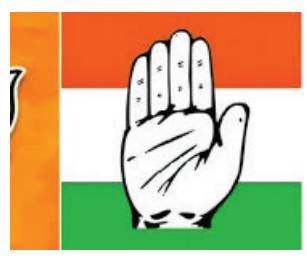

नई दिल्ली, 1 अगस्त (निस) मालेगांव बम धमाके में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित समेत सभी आरापियों को बरी किए जाने के बाद कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने एक ऐसा बयान दे दिया, जिस पर अब राजनीति शुरु हो गई है। दरअसल उन्होंने इस कोर्ट के फैसले को जहां पहले से तय बताया वहीं उन्होंने कहा कि हिंदू भी आतंकवादी हो सकता है, इसके बाद से ही सियासी हलकों में हलचल मची हुई है।सांसद रेणुका चौधरी ने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कि इस सरकार में इन लोगों को छूटना ही था। अब छूट गए हैं, देखते हैं आगे क्या होता है। हमें पहले से ही इसका अंदाजा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस को हिंदू आतंकवाद शब्द के लिए माफी मांगनी चाहिए, तो उन्होंने साफ इनकार करते हुए कहा कि इसमें कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। जब हम मुस्लिम आतंकवादी कहते हैं तो हिंदू आतंकवाद कहना भी मजबूरी हो जाती है। आतंकवादी किसी भी धर्म में हो सकते हैं। रेणुका ने नक्सलियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उनका धर्म क्या है? वे भी आतंकवाद में लिप्त होते हैं। कांग्रेस के आलोचकों ने चौधरी पर तीखा हमला बोला है, वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी फैसले पर टिप्पणी की।

एसआईआर को लेकर संसद में फिर हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस): संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन (एसआईआर) मुद्दे को लेकर संसद परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल रहीं। विपक्ष ने मांग की कि संसद में इस संवेदनशील मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराई जाए। विपक्षी दलों का आरोप है कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में गड़बड़ियां हो रही हैं और इससे मतदाता अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को लेकर विपक्ष सदन के भीतर और बाहर लगातार विरोध दर्ज करा रहा है। शुक्रवार को संसद के बाहर विपक्ष के सदस्यों ने हाथों में तख्तियां लेकर जोरदार प्रदर्शन किया है। इसमें वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी शमिल हुईं। इससे पहले प्रियंका ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध चुकी हैं।

आप्रेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान बिहार का जिक्र कर पीएम मोदी ने चुनावी एजेंडा सेट कर दिया

नई दिल्ली, 1 अगस्त (निस) संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान बिहार का जिक्र होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 24 अप्रैल के भाषण के चर्चा के केंद्र में रहने के पीछे कई अहम कारण हैं, जो मुख्यता आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से जुड़े हैं। दरअसल संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान बिहार का नाम बार-बार इसलिए आया क्योंकि कि बिहार 2025 के विधानसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। यह राज्य एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ 243 सीटों पर कड़ी टक्कर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने 24 अप्रैल को मधुबनी में अपने संबोधन में बिहार की सांस्कृतिक पहचान सिंदूर (जो सुहाग और शौर्य का प्रतीक है) को पहलगाम हमले के जवाब में सेना की कार्रवाई से जोड़ा। यह भावनात्मक जुड़ाव बिहार के लोगों के दिलों को छू गया। सांसदों ने इसी संदर्भ को अपनी बातों में शामिल किया, जिससे बिहार बहस का अहम हिस्सा बन गया।

24 अप्रैल को मधुबनी में पीएम मोदी का भाषण (पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने और आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलने की बात) संसद में चर्चा का केंद्र बन गया। भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी के बयान को मजबूत भारत के संकल्प का उदाहरण बताया, जबकि विपक्ष ने बयान को चुनावी फायदे के लिए एक सियासी स्टंट करार दिया। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने दो बार बिहार का नाम लिया, जबकि कांग्रेस के गौरव गोगोई और तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने भी बिहार का जिक्र किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बिहार इस बहस में एक केंद्रीय बिंदु था। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर कड़ा रुख दिखाकर कहा था कि पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। यह बयान मोदी सरकार की आतंकवाद विरोधी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसे संसद में विभिन्न दलों के सांसदों ने अपनी-अपनी राय के साथ उठाया। पीएम मोदी ने सेना की कार्रवाई को विजय उत्सव बताया और इस बिहार के लोगों की भावनाओं से जोड़ा, जो भाजपा की राष्ट्रवादी और मजबूत सरकार की छवि को पुष्ट करता है।

राजनैतिक जानकारों का मानना है कि पीएम का यह संबोधन एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। इसका उद्देश्य बिहार में भाजपा की छवि को मजबूत करना और सेना की शक्ति को बिहार की भावनात्मक पहचान से जोड़कर मतदाताओं को लुभाना था।

पंजाब, हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में भारी बारिश

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) देश के विभिन्न राज्यों में मानसून की भारी बारिश हो रही है, पंजाब हरियाणा सहित समूचे उत्तरी भारत में दो दिन से रुक रुक कर बारिश हो रही है वहीं राजधानी दिल्ली में लोगों को उमस से राहत मिली है।

बिहार-बिहार की राजधानी पटना सहित कई जिलों में पिछले 24 घंटों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। शुक्रवार सुबह पटना, गया और भागलपुर में भी जोरदार बारिश हुई, जिससे तापमान सामान्य बना हुआ है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि अगले 24 घंटे के दौरान बिहार के सभी जिलों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 2 अगस्त तक अररिया, बांका, जमुई और मुंगेर में अति भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों में तेज हवा के साथ-साथ ओले गिरने की भी संभावना है। पटना मौसम केंद्र ने अरवल, औरंगाबाद, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गया, गोपालगंज, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, लखीसराय, मधेपुरा, मधुबनी में चेतावनी दी है।

नशा तस्करों पर कोई रहम नहीं करेंगे-सीएम मान

पंजाब में नशे के खिलाफ पाठ्यक्रम शुरु, अन्य राज्य भी ऐसा मॉडल अपनाएंगे-केजरीवाल

अरनिवाला (फाजिल्का), 1 अगस्त (बख्शीश सिंह / जसप्रीत सिंह) पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज एक अनुकरणीय पहल के तहत आठ लाख छात्रों को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से नशे के खिलाफ जंग के तहत स्कूली पाठ्यक्रम शुरू किया। सभा को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि पंजाब के इस सीमावर्ती जिले से नशे के खिलाफ जंग में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ पंजाब की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और राज्य सरकार की युद्ध नशे के विरुद्ध% अभियान के तीसरे चरण के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए सभी सरकारी स्कूलों में विशेष पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से इन कक्षाओं के आठ लाख छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा और नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। %आप% के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि इस कार्यक्रम में 3658 स्कूलों को शामिल किया जाएगा और छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस पाठ्यक्रम में 35 मिनट के सत्र शामिल हैं, जो 27 सप्ताह तक पखवाड़े के आधार पर आयोजित किए जाएंगे और इनमें वृत्तचित्र, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर और विचार-विमर्श गतिविधियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि इन सत्रों में नशे से संबंधित मिथकों, नशे को ना कहने की रणनीतियों और सहपाठियों के दबाव को नकारने की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही नशे के खिलाफ जंग शुरू कर रखी है और इस पहल के तहत 15 हजार तस्करों को जेल में डाला गया है, उनकी संपत्तियां जब्त की गई हैं और एक हजार किलो से अधिक हेरोइन बरामद की गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अवैध कारोबार से बनाई गई तस्करों की संपत्ति को ध्वस्त किया जा रहा है। सबसे कुख्यात सरगना को राज्य की ईमानदार सरकार ने सलाखों के पीछे डाला है।आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि यह कितनी बड़ी त्रासदी है कि सभी राजनीतिक पार्टियां इस नशा कारोबारी के पक्ष में आ गई हैं, जिससे उनका घृणित चेहरा उजागर हुआ है। उन्होंने कहा कि ये राजनीतिक पार्टियां नशे के कारण राज्य की दुर्दशा पर तो चुप हैं, लेकिन नशे के सरगना का समर्थन कर रही हैं।

सम्पादकीय

मोदीजी की लोकप्रियता को खबरों में कम आंकना सही नहीं

17 सितम्बर 25 के दिन का प्रधान मंत्री मोदीजी का मीडिया में खुब खबर चल रही है कि वो 75 साल के हो जायेंगे और क़ोई और होगा इधर ऐ भी चर्चा में है उपराष्ट्रपति किसी दबाब में इस्तीफा दिए हैं और इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी को भी घसीटा जा रहा और बहुत से यू टुबर ने इतना गन्दा राजनीती बयान दे रहें हैं कि उपराष्ट्रपति कँगना रनौत होगी ऐसा गलत संदेश पहुँचाना देश के प्रधानमंत्री का अपमान है नारजगी है तो अगले चुनाव में उनके खिलाफ वोट दे देना लेकिन घटिया यू टुब मत बनाएं इससे पढ़े लिखे लोग में आपके चैनल में गलत संदेश जाता है जो उनकी नहीं आपकी मानसिकता को गलत दृष्टिकोण से देखती है देखिए ऐ लोकतान्त्रिक देश है इसमें संख्या बल देश को सरकार बनाती है आज ऐ बात सही है बीजेपी के पास बहुमत नहीं है लेकिन थोड़ा ही कम है मात्र 30 सांसद जो एनडीए के 292 सीट के साथ बहुमत में हैं 75 साल उम्र पर बहस करना प्रधानमंत्री जैसे पद के लिए ठीक नहीं है क्योंकि 2024 का चुनाव मोदीजी के नेतृत्व में लड़ा गया और एनडीए की सरकार बनी जहाँ तक किसी को लाने या ना लाने का प्रश्न है उसमें जब आप जीतते हैं तो सब आपके पीछे लग जाते हैं और जब हारते हैं तो भाग कर इधर उधर चले जाते हैं मोदीजी भले ही 17 सितम्बर 25 को 75 साल के हो जाए लेकिन प्रधानमंत्री लोकतान्त्रिक व्यवस्था है अत: जब 2024 में सब कुछ स्पष्ट हो गया तो उम्र का सवाल ही पैदा नहीं होता ट्रम्प जो 79 साल के हैं वो अमेरिका के राष्ट्रपति है अत: किसी नेता के नाम की चर्चा करना की योगीजी होंगे, केंद्रीय मंत्री गडकरी जी होंगे या राजनाथ सिंह होंगे ऐ सब एक भर्मित करना और देश हित में नहीं है आज किसी से पूछ लीजियेगा मोदीजी की लोकप्रियता सभी नेता से ज्यादा है और क़ोई एन डी ए में अपना भी भविष्य देखेगा तो मोदीजी पर पूर्ण भरोसा होगा ऐसा इसलिए है कि उनके पास ना तो बहुत बड़ी संपत्ति है और ना ही परिवार लेकिन सभी लोग चाहते हैं प्रधानमंत्री के लिए 6राज्य यूपी, महाराष्ट्र,मप्र, गुजरात और बिहार बहुत महत्वपूर्ण हैं और ऐसे कर्नाटक भी है लेकिन जब देश की बात आती है तो उप्र और बिहार को पहले देखा जाता है जहाँ बीजेपी का गढ़ है और वहाँ मोदीजी को लोग इसलिए पसंद करते हैं कि क्योंकि वहाँ महिलाओ, बुजुर्गो और युवाओ का बड़ा तपका उनके पक्ष में नजर आता है 2014 चुनाव से पहले ऐसा लग रहा था कि बीजेपी अब कभी सत्ता में नहीं आएगी लेकिन मोदीजी को जनता ने पसन्द किया और जीत मिली जितने पर जो उनके खिलाफ भी थे सब ने भरे मन से नहीं लेकिन किसी पद की लालच में बाहबाहि लूटने की कोशिश की और कहीं राजयपाल कहीं मंत्री के रूप में जमे रहें और सभी जो पहले सत्ता का स्वाद चख चुके थे नहीं मिलने पर नाखुश हुए जो ठीक नहीं है अत: जो होगा वो भी प्रभु राम की मर्जी से होगा लेकिन प्रधानमंत्री को एनडीए का पूर्ण समर्थन प्राप्त है और जो दूसरे की थाली में खाकर उसका छेद करता है जो ऐ गद्दारी है ऐसा करना सही नहीं है और खुद ही धोखा खाता है मैंने सभी से राय भी ली अधिकतर लोगों ने मोदीजी पर भरोसा जताया है क्योंकि उनका कार्यकाल लोगों से बात करने का संबाद अच्छा रहा है अत: आजकल खुद को बदलना जरुरी है इसलिए भगवान श्री राम का ध्यान करें सुबह से ही लगभग सभी व्हाट्सप्प पर किसी के घर में क्या हो रहा है उसकी निंदा, गलती और अपने को अच्छा बनाने की होड़ में लगे रहते है जिससे नफरत और घृणा पैदा होती है अत: सबकुछ भगवान राम देख रहें हैं समय का इंतज़ार करें और भगवान राम समय से चलते हैं और संसार में कुछ भी गलत नहीं होने देंगे आज थाईलैंड और कॉम्बोडिया में युद्ध चल रहा है जहाँ भगवान श्री राम की एक अयोध्या भी है अत: सारे संसार पर उनकी नजर हैं आपने भगवान श्री राम को जानने में कितना समय दिया और भगवान श्री राम ने आपको कितना दिया एक बार अवश्य मूल्यांकन करें बहुत कुछ दिया है.अत: आप इधर उधर की बातों में विश्वास ना करें जो होगा वो भारत के विकास के लिए होगा अब तो एनडीए ने 1साल से ज्यादा का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है अत: ऐसा नहीं है की व्यवस्था में परिवर्तन होगा.2019 के आम चुनाव में उनकी पार्टी की जीत के बाद, उनके प्रशासन ने जम्मू और कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा रद्द कर दिया। उनके बाद कोरोना काल में भी गरीबों को अनाज और देश की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया गया और बाद में रक्षा क्षेत्र में पुराने से नए गठबंधन विमान और अन्य सेक्टरों में तेजी से विकास हुआ। इसके बाद साल 2024 में भारतीय जनता पार्टी ने अपने नेतृत्त्व में राष्ट्रीय चुनाव लड़ा और इस बार पार्टी ने कुल 240 सीटों पर जीत हासिल की। 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण कर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधान मंत्री बने। भाजपा के समर्थकों का मोदीजी पर पूरा विश्वास है कि यह भी सफलता से पूर्ण होगा। लेकिन ऑपरेशन सिंधु के बाद उनकी छवि में देशप्रेम की भावना जगी है।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ : आखिर हम अतीत से कब सीखेंगे

– ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद

से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी।

इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं।

मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है।

एनईपी: बहुभाषी, समावेशी शिक्षा अब व्यापक स्तर पर साकार

-धर्मेन्द्र प्रधान केन्द्रीय मंत्री

एनईपी के पाँच वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाषा के चयन से लेकर कौशल पर बल तक, इसकी अवधारणाओं ने

कक्षा के अनुभव को मूल रूप से बदल दिया है 2020 में भारत ने केवल एक नई नीति नहीं अपनाई, बल्कि एक प्राचीन आदर्श को फिर से जीवंत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने सीखने को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और इसे हमारी सभ्यतागत परंपराओं से जोड़ा। स्वर्गीय डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी के नेतृत्व में तैयार की गई यह नीति इतिहास की सबसे व्यापक जन-सहभागिता वाली नीति-निर्माण प्रक्रिया में से एक थी। यह एक ऐसा दूरदर्शी रूपरेखा थी जो सांस्कृतिक मूल्यों में निहित था। यह एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना थी जो रटने की प्रवृत्ति, कठोर ढाँचों और भाषाई ऊँच-नीच से परे हो—समावेशी, सर्वांगीण और भविष्य के लिए तैयार। पाँच वर्षों में हश्वक्क का असर केवल नीतियों तक नहीं, बल्कि कक्षाओं तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अब प्राथमिक कक्षाओं में खेल आधारित शिक्षण, रटने की पद्धति की जगह ले चुका है; बच्चे अपनी मातृभाषा में सहजता से पढ़ रहे हैं; छठी कक्षा के विद्यार्थी व्यावसायिक प्रयोगशालाओं में हाथों-हाथ कौशल सीख रहे हैं। अनुसंधान संस्थानों में भारत का पारंपरिक ज्ञान आधुनिक विज्ञान के साथ संवाद कर रहा है। हश्वक्क की सोच स्ञ्रश्वरू क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक मंचों पर भारतीय संस्थानों की उपस्थिति में भी झलकती है। सर्वेक्षण 2024 जैसी रिपोर्टों में यह प्रगति परिलक्षित होती है—आज की कक्षाएं जिज्ञासा और समझ का केंद्र बन चुकी हैं। विद्या प्रवेश और बालवाटिका जैसी पहलें अब प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा को व्यवस्थित रूप से एकीकृत कर रही हैं। 22 भारतीय भाषाओं में जादुई पिटारा और ई-जादुई पिटारा, नई पीढ़ी की पाठ्यपुस्तकों के साथ, शिक्षा को रुचिकर बना रहे हैं। ह्वद्रुस्.।ज्ञ्.। प्रशिक्षण के माध्यम से 14 लाख से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और छ्वद्मयस्.। जैसे प्लेटफॉर्म शिक्षण सामग्री को देशभर में सुलभ बना रहे हैं। यह स्पष्ट किया कि भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। 117 भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं और भारतीय सांकेतिक भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। भारतीय भाषा पुस्तक योजना और राष्ट्रीय डिजिटल भंडार जैसी योजनाएं भाषाई और सांस्कृतिक ज्ञान को लोकतांत्रिक बना रही हैं। और कक्षा 1 से 8 की नई किताबें अब जारी हो चुकी हैं। प्रेरणा एक सेतु कार्यक्रम है जो छात्रों को नई पाठ्यचर्या में सहजता से ढालने के लिए मार्गदर्शन करता है, ताकि वे अभिभूत न हों, बल्कि हर चरण में सहयोग प्राप्त करें। समग्र शिक्षा और पीएम पोषण जैसी योजनाओं ने लगभग सार्वभौमिक नामांकन को संभव बनाया है। एनईपी काा प्रभाव वंचित समूहों तक भी पहुँचा है। 5,138 से अधिक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 7.12 लाख से अधिक वंचित समुदायों की बालिकाएं नामांकित हैं। धर्ती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 692 और PVTG छात्रों के लिए 490 से अधिक छात्रावास स्वीकृत किए गए

हैं। प्रशस्त कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगता की पहचान कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक समावेशी व सशक्त बनाया गया है। NEP 2020 के परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ हैं 14,500 पीएम-श्री स्कूल जो आधुनिक, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल हैं। ये विद्यालय हश्वक्क के विजन के अनुरूप आदर्श मॉडल स्कूल बन रहे हैं, जो बुनियादी ढाँचे और शिक्षण पद्धति दोनों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। विद्यांजलि प्लेटफॉर्म ने 8.2 लाख स्कूलों को 5.3 लाख से अधिक 1olunteers और 2,000 छ्स्क्रपार्टनर्स से जोड़ा है, जिससे 1.7 करोड़ छात्रों को सीधा लाभ मिला है। उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 3.42 करोड़ से बढ़कर 4.46 करोड़ हो गया है—30.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी। इनमें लगभग 48 प्रतिशत छात्राएं हैं। महिला क्क्द्रष्ठ नामांकन 0.48 लाख से बढ़कर 1.12 लाख हो गया है। SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक छात्रों का बढ़ता नामांकन उच्च शिक्षा में समावेशिता का ऐतिहासिक संकेत है। महिला त्रश्वक्र लगातार छह वर्षों से पुरुषों से अधिक रहा है।

21.12 करोड़उपलब्ध कराई गई हैं। 153 विश्वविद्यालयों में मल्टीपल एंट्री और 74 में एग्जिट विकल्प उपलब्ध हैं—अब सीखना क्रमबद्ध नहीं, बल्कि मॉड्यूलर है।NEP के अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर ने भारत के Global Innovation Inde& को 81वें स्थान से 39वें तक पहुंचाया है। 400 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों में 18,000 से अधिक स्टार्टअप इनक्यूबेट किए गए हैं। अनुसंधान NRF, PMRF 2.0, और 6,000 करोड़ की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना शोध को विकेंद्रीकृत और सुलभ बना रही हैं। Swayam और Swayam Plus जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर 5.3 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं। DIKSHA और PM e-Vidya के 200+ ष्ठञ्ज॥ चैनलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सामग्री देश के हर कोने में उपलब्ध हो रही है। द्विवार्षिक प्रवेश, डुअल डिग्री जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा को और अधिक समावेशी, बहुविषयक और उद्योगोन्मुखी बना रही हैं। QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थान शामिल हुए हैं, जबकि 2014 में केवल 11 थे। Deakin, Wollongong, और Southampton जैसे वैश्विक विश्वविद्यालय भारत में कैंपस स्थापित कर रहे हैं। परिवर्तन की इस यात्रा का उत्सव अखिल भारतीय शिक्षा समागम के माध्यम से मनाया जा रहा है, लेकिन इसका मूल्यांकन शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के शांत आत्मविश्वास में हो रहा है। हमें अपने परिसरों को हराभरा बनाना, महत्वपूर्ण अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार करना और सीखने के परिणामों को और अधिक गहरा करना जारी रखना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा केवल एक नीति नहीं, बल्कि सबसे बड़ा राष्ट्रीय निवेश बन चुकी है। जहाँ शिक्षा है, वहीं प्रगति है। एक अरब जागरूक और सशक्त नागरिक केवल जनसांख्यिकीय लाभांश नहीं हैं, बल्कि नए भारत का सुपरनोवा हैं।

बिहार चुनाव : तेजस्वी यादव की प्रतिष्ठा की अग्रिपरीक्षा होगी

– संजय गोस्वामी

हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत से काम करना चाहिए फल जरूर मिलेगा जब बिहार विधानसभा में तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के बीच तकरार हुआ तो दोनों में बहसाबहसी हुई और सभापति ने आरजेडी के विधायक से उनके शर्मनाक ब्यवहार से माफी मांगने क़ो कहा, उधर जन सुराज पार्टी के नेता डॉ प्रशांत किशोर कहीं सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कहीं कुछ भी बोलना ठीक नहीं है मुस्लिम वोट के लिए उन्होंने उनकी सभा में ऐ तक कह दिया कि आप अल्पसंख्यक नहीं हो आपकी आबादी 20 करोड़ के पास है अत: हक़ मांगो देखिए बिहार बहुत ही चालक राज्य है चुनाव में भाषण देना आसान है लेकिन वोट लेना बहुत मुश्किल है क्योंकि इतने सालों बाद भी बीजेपी अपना सरकार नहीं बना पा रही है यानि एनडीए बहुत मुश्किल से टिकी है अत: नीतीश कुमार क़ो उम्र के हिसाब से कमजोर समझना भूल होगी क्योंकि उनका बिहार में महिलाओ का एक बड़ा वर्ग उसके समर्थन में वोट देती है इसका कारण है पूर्व के लालू सरकार के शासन काल जिसमें उस जंगलराज में शाम होते ही महिलाओ का निकलना मुश्किल होता है आरजेडी का बड़ा वोट बैंक मुस्लिम और अनुसूचित जाति का है चाहे कितना भी भाषण दे दें बिहार में आरजेडी क़ो मुस्लिम का वोट मिलता है जब स्व राम विलास पासवान जो उस समय मुस्लिमों के बड़े चहेते थे उन्होंने यहाँ तक कह दिया था जब 2005 में 30 सीट लाकर त्रिसूँक परिणाम आए तो कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री होगा तो मुस्लिम ही होगा जब उन्हें बहुत रैली के बाबजूद 30 सीट ही मिली थी जहाँ एक ही नारा हर जगह चलता था एक आस रामविलास बाद में आरजेडी के साथ लोजपा का बिहार में गठबंधन हुआ और एनडीए के पक्ष में सरकार बनी थी हालांकि उस समय राजगीर में जेडीयू, बीजेपी के साथ लगभग सरकार बनाने की स्थिति में थी लेकिन उस समय कॉंग्रेस के नेता बूटा सिंह बिहार के राज्यपाल थे और उस समय के राष्ट्रपति डॉ कलाम साहब विदेश में थे उन्होंने फैक्स के माध्यम से राज्यपाल के प्रस्ताव पर बिहार में राष्ट्रपति शासन की मंजूरी दे दी तभी से बिहार के पढ़े लिखे लोगों क़ो ऐ निर्णय सही नहीं लगा और बाद में एनडीए की सरकार बनी उस समय बड़े बड़े वकील यहाँ तक न्यायधीश के व्यक्तिगत राय थी कि एक चुनी हुई पार्टी क़ो सदन में बहुमत सिद्ध करना होता है कि ना की राजगीर में अत: राष्ट्रपति शासन वो भी विदेश से फैक्स के माध्यम से लगाना न्यायपूर्ण नहीं है और इसका फायदा नीतीश कुमार की अगुवाई में पूर्ण बहुमत से बनी क्योंकि उस समय ईवीएम से चुनाव हुआ अत: पारदर्शिता थी जिस समय टी एन शेषण चुनाव आयूक्त थे उस दौर में खासकर गरीब महिलाओ का घर से निकलने पर कहीं जेवर लूट लेते कहीं चोरी कहीं बलात्कार होता और प्रशासन उसे राजनीती दबाव में कुछ नहीं कर पाती यहाँ तक की बदमाश लड़के प्यार के शौक में लड़की के घर भी घुस जाते थे बिहार में एक तरफ अपराध उस समय चरम सीमा पर था क्योंकि हर दिन कुर्सी का ऐसा नशा था कि गाड़ी चोरी होती कहीं और और मिलता राजनेता के पास, दिन दहारे लूट और हंगामा करने पर गोली चला देना ऐ गुंडाराज ही था जिससे बिहार की बदनामी दूसरे राज्य में होती और जब 2005 में एनडीए की सरकार बनी तो मातम परसा पटना में और खुश हुआ दूसरे राज्य के लोग उस समय लोग ऐ कहते नजर आने लगे कि क्या भाई लालटेन की लौ बुझा दि लालू जी का जो बोलने का अंदाज था वो दूसरे राज्य के लोग उसका मज़ाक उड़ाते नजर आते थे आज वो खुद ही स्वास्थ से लाचार नजर आते हैं इसलिए बुराई का अंत निश्चित है क्योंकि उसे भगवान राम देख रहें होते हैं और बिहार में भगवान राम क़ो मानने वाले लोगो की संख्या बहुत अधिक है क्योंकि वहाँ गरीबी है मुझे याद है कि एक बेदाम बेचने वाला क़ो 1रूपये की कम देकर आधा तो खा गया और बोलने पर उस समय 30 रूपये की गोली चला कर उसकी हत्या कर दि गई इसलिए वहाँ एक छत्र राज्य करना मुश्किल है बिहार गुरू गोविन्द सिंह की जन्मभूमि है इसलिए इतना आसान नहीं है अपराध करना क्योंकि बाद में मिट्टी में मिल जायेंगे यदि आज अपराध किया तो सज़ा मिलना तय है अत: वोटर संसोधन सही है या गलत न्यायलय इसका फैसला करेगा

धनखड़ मामला:आज कल देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़जी का इस्तीफा देना एक मुद्दा बना हुआ है जो देश का दूसरा सर्वोच्च पद है देखिए जब तक सच्चाई सामने नहीं आती इस पर बोलना ठीक नहीं है क्योंकि वो एक सम्मानीय पद है इसे तुरंत विपक्ष ने लपक लिया और मीडिया में आने से विदेश में इसका बुरा असर पड़ता है फिर अमेरिका के राष्ट्रपति कहेंगे मैंने ही इस्तीफा दिलाया, ऐ बात सही है ऑपरेशन सिंदूर में सेना के हिसाब से चलना चाहिए लेकिन ट्रम्प कहाँ से सीज फायर का ऐलान किये ऐ सही नहीं है क्योंकि अमेरिका भारत क़ो कभी दोस्त नहीं माना है यदि ऐसा होता तो अमेरिका में बसे भारतीय नागरिक जो डंकी रुट या वीसा रद्द होने पर उसक़ो इसतरह हथकड़ी पहना कर गुरू के पावन भूमि अमृतसर में कार्गो प्लेन में नहीं भेजता।

विदेशी नोटों से भरा बैग लूटकर फरार हुए बदमाश मेट्रो स्टेशन के पास हुई वारदात

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली में मंदिर मार्ग इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक कंपनी के कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव से बैग झपटकर फरार हो गए। बैग में कई हजार यूएस डॉलर और लाखों की थाई करेंसी थी। पीड़ित की शिकायत पर मंदिर मार्ग पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, अभी तक आरोपितों का पता नहीं चल सका है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 31 वर्षीय अनुज अपने परिवार के साथ हैदरपुर शालीमार बाग इलाके में किराए पर रहते हैं। वह मूलरूप से औरंगाबाद बिहार के रहने वाले हैं। अनुज बाराखंबा रोड स्थित डीसीएम बिल्डिंग स्थित आरएनएफआइ मनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव पद पर पिछले दो साल से कार्यरत हैं। उनका आरोप है कि 25 जुलाई को उनके कंपनी के ब्रांच मैनेजर कमल जोशी ने परचेज इनवाइस देकर करोल बाग स्थित एचडीएफसी बैंक से विदेशी करेंसी लाने को कहा था। वह बैंक से चार लाख थाई करेंसी और पांच हजार यूएसए डॉलर लेकर निकाले। उसे उन्होंने अपने बैग में रख लिया। फिर बैग अपनी कमर पर लटका कर बाइक से वापस अपने ऑफिस जा रहे थे। जैसे ही वह झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे। तभी बाइक सवार दो लड़के आए और बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उनकी कमर से बैग झपटा और फरार हो गए। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 31 वर्षीय अनुज अपने परिवार के साथ हैदरपुर शालीमार बाग इलाके में किराए पर रहते हैं। वह मूलरूप से औरंगाबाद बिहार के रहने वाले हैं। अनुज बाराखंबा रोड स्थित बिल्डिंग स्थित आरएनएफआइ मनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव पद पर पिछले दो साल से कार्यरत हैं।

आखिर गिरफ्तार हुई ड्रग्स तस्कर बरखा लंबे समय से दिल्ली पुलिस को दे रही थी चकमा

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली में लंबे समय से फरार महिला ड्रग्स तस्कर बरखा को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हेरोइन तस्करी के एक मामले में महिला को भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। इसके परिवार के अधिकतर सदस्य ड्रग्स तस्करी का धंधे में संलिप्त है। डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक, 14 अप्रैल 2024 को अमन विहार के रहने वाले दो भाइयों सुमित उर्फ सनी और सचिन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें बुराड़ी इलाके में 1.10 किलो हेरोइन की खेप गौरव नाम के एक व्यक्ति को पहुंचाने के दौरान गिरफ्तार किया गया।

आखिर गिरफ्तार हुई ड्रग्स तस्कर बरखा लंबे समय से दिल्ली पुलिस को दे रही थी चकमा

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली में लंबे समय से फरार महिला ड्रग्स तस्कर बरखा को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हेरोइन तस्करी के एक मामले में महिला को भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। इसके परिवार के अधिकतर सदस्य ड्रग्स तस्करी का धंधे में संलिप्त है। डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक, 14 अप्रैल 2024 को अमन विहार के रहने वाले दो भाइयों सुमित उर्फ सनी और सचिन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें बुराड़ी इलाके में 1.10 किलो हेरोइन की खेप गौरव नाम के एक व्यक्ति को पहुंचाने के दौरान गिरफ्तार किया गया।

देह व्यापार के दलदल में फंसी कम उम्र की लड़कियां

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) पूर्वी दिल्ली में शकरपुर स्थित अग्रवाल धर्मशाला में बुधवार शाम को शकरपुर विकास परिषद व पुलिस ने संयुक्त रूप से जनता दरबार लगाया। बताया गया कि इसमें मुख्य रूप से एडिशनल डीसीपी विनीत कुमार, जोन चेयरमैन रामकिशोर शर्मा, एसीपी अशोक कुमार, थानाध्यक्ष कमल किशोर, समाजसेवी डा. सतवीर शर्मा मौजूद रहे। इस जनता दरबार में क्षेत्र में बढ़ रही झपटमारी, चोरी, अवैध पार्किंग की समस्या, पार्कों में बिक रहा नशीला पदार्थ का मुद्दा उठाया गया। वहीं, पुलिस को उस सच से रूबरू करवाया गया, जिसका सामना वारदात के बाद एक पीड़ित करता है। स्थानीय हरवीर ने पुलिस से कहा कि शकरपुर इलाके में बहुत सारे पीजी बने हुए हैं। दूसरे राज्यों के युवा यहां आकर रहते हैं। पीजी की आड़ में बहुत से लोग देहव्यापार का धंधा चला रहे हैं। कम उम्र की युवतियां इस दलदल में हैं।

हरियाणा सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है : श्याम सिंह राणा

यमुनानगर, 1 अगस्त (दिनेश कुमार) : हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहीद उधम सिंह के शहीदी दिवस पर हरियाणा के किसानों के लिए बड़ी सहायता दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फसल रबी वर्ष 2025 के फसल खराबें के पैसे सम्बंधित किसानों को एक क्लिक से जारी कर राहत पहुंचाने का कार्य किया है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा प्रदेश के 22,617 किसानों को 52.14 करोड़ रूपये की मुआवजा राशि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जारी की है। वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा अब तक पिछले लगभग 11 सालों में लगभग 15,000 करोड़ रुपये किसानों को मुआवजा के तौर पर दिए गए है, मौजूदा सरकार के समय में लगभग 1,360 करोड़ रुपए के लगभग औसतन मुआवजा प्रति वर्ष फसल खराबे का किसानों को मिला है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार किसान भाइयों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा उनके साथ खड़ी है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राज्य सपरा, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उठाएं लाभ : उत्तम सिंह

करनाल, 1 अगस्त (परमजीत कौर) : डी.सी उत्तम सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत भारत सरकार द्वारा अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है तथा 1 लाख 80 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय के लाभार्थी व वार्षिक अधिकतम 2400 यूनिट की खपत वाले उपभोक्ता है, वो इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

जेएनयू में वेज-नॉन वेज खाने को लेकर फिर से घमासान

प्रशासन का दावा-माही मांडवी छात्रावास में छात्रों की आपसी सहमति से मेन्यू सेट हुआ, समस्या का समाधान करेंगे

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली की बहुचर्चित जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में एक बार फिर से विवाद खड़ा हो गया। अब की बार ये विवाद शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को लेकर हुआ है। दरअसल, शाकाहारी छात्रों ने अपनी चिंता व्यक्त की कि उनके भोजन की पवित्रता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। क्योंकि नॉनवेज और वेज भोजन एक ही बर्तनों में तैयार किया जाता है। इस बात को लेकर जेएनयू छात्र संघ ने मोर्चा खोल दिया है। वहीं, जेएनयू के माही मांडवी हॉस्टल में वेज और नॉन वेज खाने के लिए अलग-अलग जगह तय करने का मामला बुधवार को मेस में चस्पा एक पोस्टर से सामने आया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ आरोप लगाया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से संबद्ध माही-मांडवी छात्रावास के अध्यक्ष ने छात्रावास के मेस में शाकाहारी और मांसाहारी छात्रों के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था शुरू की है। यह कदम परेशान करने वाला और विभाजनकारी है। साथ ही यह छात्रावास के नियमों का पूर्ण उल्लंघन है। इस मुद्दे पर प्रशासन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।वहीं, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के संयुक्त सचिव वैभव मीना ने कहा- जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास में विद्यार्थियों ने आपसी सहमति से यह व्यवस्था की है। इसके मुताबिक वेज खाने वाले विद्यार्थी और नॉन-वेज खाने वाले लोग अलग-अलग बैठकर खाना खाएंगे। क्योंकि शाकाहारी छात्रों को मांसाहारी छात्रों के साथ बैठकर खाने में समस्या हो रही थी, तो विद्यार्थियों ने उन्होंने आपस में समाधान निकाला और उन लोगों ने आपसी सहमति से अलग-अलग बैठ कर खाने की व्यवस्था की। इन वामपंथी यूनियन के लोगों के पास कोई मुद्दा नहीं है, बेवजह और बेतुका विरोध ये लोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा- शाकाहारी छात्रों को भी खाने का अधिकार है, उन्हें भी खाना चयन करने की स्वतंत्रता है। खाने की पवित्रता और शुचिता का ध्यान रखा जाये, यह विश्व विद्यालय प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए और ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। जेएनयू के सभी छात्रावास में वेज और नॉन-वेज और एक साथ और एक ही बर्तन में बनाया जाता है, इससे शाकाहारी छात्रों को बहुत समस्या होती है, और जिस दिन मेस में नॉन-वेज बनता है, उस दिन अधिकांश शाकाहारी छात्र खाना छोड़ देते हैं और नहीं खाते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कभी इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, छात्रों को यह अधिकार है कि उनको यह पता हो कि उनका खाना कैसे बन रहा है और वे क्या खाना चाहते हैं। प्रशासन शाकाहारी छात्रों के खाने की पवित्रता पर ध्यान दे। और वेज, नॉन-वेज खाना अलग-अलग बनाने की व्यवस्था की जाए। अब इस पर जेएनयूएसयू की जनरल सेक्रेटरी मुंतेहा फातिमा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- आज माही मांडवी हॉस्टल में देखा कि वेज नॉन वेज के लिए अलग-अलग टेबल होंगे। वहां फूड सेग्रीगेशन चल रहा है वेज नॉन वालों का। हमने वहां एक प्रोटेस्ट का कॉल दिया। ये जेएनयू के इन्क्लूसिव कल्चर के ऊपर अटैक है। सीनियर वार्डन ने कहा कि उनकी जानकारी में ये नहीं था।

प्रभु श्रीराम को स्मरण करने के संकल्प के साथ मोक्ष वृद्धाश्रम में 5 दिवसीय श्रीरामकथा शुरू

मन की मलिनता को हटाकर प्रभु के प्रति समर्पित हो जाएं : साध्वी निष्ठानंद सरस्वती

हिसार, 1 अगस्त (महेन्द्र गोयल) : बुजुर्गों की सेवा व संभाल में जुटे मोक्ष वृद्धाश्रम में पूरे विधि विधान से 5 दिवसीय श्रीरामकथा का शुभारंभ हुआ। तपोभूमि परमहंस योग आश्रम के परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ स्वामी श्री कृष्णानंद सरस्वती जी की कृपापात्र बालयोगिनी साध्वी निष्ठानंद सरस्वती जी ने प्रभु श्रीराम को स्मरण करने का संकल्प करने का आह्वान किया।

मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर, पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, डॉ. वंदना बिश्नोई, डॉ. हिमानी कंसल व डॉ. सविता सिंगला ने दीप प्रज्ज्वलन की परम्परा का निर्वहन किया। इस अवसर पर संगिनी ग्रुप की प्रधान सुनीता सिंघल, मधु गोयल, स्वाति तायल, विभूति तायल व आशा गुप्ता, फिरोजा-ए-शहर की प्रधान डॉ. वेद पूनिया व सरोज बेनीवाल एवं श्रीराधा रस धार से सुनीता सातरोडिया, अनु गुप्ता व ऊषा बंसल सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर आराधना करते हुए जनकल्याण की कामना की गई। संगीतमयी श्रीरामकथा के पहले दिन साध्वी निष्ठानंद सरस्वती ने बालकांड व अयोध्याकांड पर प्रकाश डालते हुए बच्चों की तरह नादान और निष्काम बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मन की मलिनता हटाकर प्रभु के प्रति समर्पित होने वाले भक्तों के समस्त कष्टों का निराकरण हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रभु तो भाव के भूखे हैं, वे तो मात्र एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए राम-नाम जपने की आदत डालो। चाहे थोड़ी देर ही भगवान का नाम लो लेकिन शुरुआत तो करो। श्रीरामकथा के दौरान भजनों के माध्यम से भी प्रभु की स्तुति की गई। राम तेरा नाम सारी दुनिया से प्यारा है, मुझको तो राम जी तेरा ही सहारा है और मेरे मन में भी राम, मेरे तन में भी राम, रोम-रोम में समाया तेरा नाम जैसे भजन सुनकर मोक्ष वृद्धाश्रम के बुजुर्ग झूमने व नाचने लगे। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि बुजुर्गों को आध्यात्मिक माहौल प्रदान करने के लिए समय-समय पर आश्रम में धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में श्रीरामकथा का शुभारंभ किया गया है। 4 अगस्त तक चलने वाली श्रीरामकथा का समय दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तक रहेगा। इस दौरान विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

डी प्लान योजना के तहत समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण हो विकास कार्य : डीसी प्रीति

2025-26 में करवाए जाएंगे 12 करोड़ 18 लाख 71 हजार रुपये के विकास कार्य

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : डीसी प्रीति ने कहा कि डी प्लान योजना के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्य समयबद्ध तथा गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए, ताकि इन विकास कार्यों का लाभ आमजन तक पहुंचे। इस कार्य में अधिकारी व कर्मचारी कोई भी लापरवाही न बरतें। जनप्रतिनिधि भी समय-समय पर इन विकास कार्यों की बैठक में शामिल होने के साथ-साथ कार्यों का निरीक्षण भी करते रहे, ताकि विकास कार्यों में अधिक गति लाई जा सके। बैठक में गुहला विधायक देवेंद्र हंस विशेष रूप से मौजूद रहे। डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंस हॉल में जिला विकास एवं निगरानी कमेटी के अंतर्गत जिला प्लान योजना की बैठक के दौरान बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि जिला प्लान योजना के तहत 2025-26 में 12 करोड़ 18 लाख 71 हजार रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्र में लगभग नौ करोड़ 20 लाख 68 हजार रुपये में से जनरल कॉम्पोनेंट्स के लिए पांच करोड़ 58 लाख 28 हजार रुपये तथा एससीएसपी कॉम्पोनेंट्स के लिए तीन करोड़ 62 लाख 40 हजार रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में दो करोड़ 98 लाख तीन हजार रुपये में से जनरल कॉम्पोनेंट्स के लिए एक करोड़ 80 लाख 72 हजार रुपये तथा एससीएसपी कॉम्पोनेंट्स के लिए एक करोड़ 17 लाख 31 हजार रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कि ग्रामीण क्षेत्र ढांड खंड में एक करोड़ 10 लाख 35 हजार रुपये, गुहला में एक करोड़ 31 लाख 61 हजार रुपये, कैथल में दो करोड़ 24 लाख 61 हजार रुपये, कलायत में एक करोड़ 27 लाख 57 हजार रुपये, पूंडरी में एक करोड़ 45 लाख 36 हजार रुपये, राजौंद में 95 लाख 55 हजार रुपये, सीवन में 85 लाख 63 हजार रुपये के विकास कार्य करवाएं जाएंगे।

इसी प्रकार शहरी क्षेत्र नगर पालिका चीका में 44 लाख 19 हजार रुपये, कैथल में एक करोड़ 64 लाख 39 हजार रुपये, कलायत में 21 लाख 17 हजार रुपये, पूंडरी में 21 लाख 41 हजार रुपये, राजौंद में 19 लाख 78 हजार रुपये, सीवन में 27 लाख 9 हजार रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि गत वर्ष के 4 करोड़ 76 लाख 33 हजार रुपये के अंतर्गत 3 करोड़ 18 लाख 55 हजार रुपये के विकास कार्य लंबित हैं, जिन्हें जल्द पूरा करवाएं। विधायक देवेंद्र हंस ने भी गुहला विधानसभा के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की और अपने सुझाव दिए। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने बैठक में जिला प्लान योजना के निर्धारित नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 25 लाख रुपये तक के विकास कार्य सरकारी, पंचायती व सामुदायिक जमीन पर करवाए जा सकते हैं। योजना में पेयजल के कार्य, शिक्षा विभाग, बिजली, स्वास्थ्य, नहरी, नॉन-कन्वेंशनल, सामुदायिक भवन, पुल, सड़कें, गलियां, स्वच्छता, खेल, पशु सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, बागवानी विभाग से संबंधित कार्य करवा सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लक्ष्य है कि हरियाणा प्रदेश को स्वच्छता में पहले नंबर पर लाना है। इसलिए हमें कुड़ा-कचरा प्रबंधन के कार्य को और अधिक बेहतरीन तरीके से करना होगा। इसकी शुरूआत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही है।

नगर पालिका सचिव शहर में आमजन के सहयोग से गीला-सुखा कचरा अलग-अलग एकत्रित करें तथा जन प्रतिनिधियों की इस कार्य में सहयोग लें।

राहुल गांधी ने डेड इकोनॉमी जैसा बयान देकर एक नई गिरावट को छू लिया है

यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, उपलब्धियों और समृद्धि का अपमान है : पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर

यमुनानगर, 1 अगस्त (संजीव कुमार) : पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने बताया कि आख़िर राहुल गांधी किसके लिए बोल रहे हैं? वे बार-बार विदेशी नैरेटिव क्यों दोहराते है, राहुल गांधी भारत की साख को कमजोर करने का लगातार प्रयास करते रहते हैं, लेकिन ईमानदारी से कहें तो राहुल गांधी की खुद की राजनीतिक विश्वसनीयता और विरासत पर इस समय बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने बताया कि जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी से जूझ रही है, तब भी भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

सशक्त मजबूत नेतृत्व मार्गदर्शन में विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया है, वर्ष 2025 के लिए +20 बेसिस प्वाइंट्स व वर्ष 2026 के लिए +10 बेसिस प्वाइंट्स बढ़ने का अनुमान लगाया गया है, फिर भी राहुल गांधी इन तथ्यों को नज़रअंदाज़ करते हैं क्योंकि सच्चाई उनके खोखले नैरेटिव को चकनाचूर कर देती है।पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी भारत की मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था को देखना ही नहीं चाहते। इस समय महंगाई दर 6 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर,भारत में ट्रैक्टर रिटेल बिक्री में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि (जून)में हुई है, थ्री-व्हीलर उत्पादन में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि,एयर कार्गो 8.1 प्रतिशत और पोर्ट कार्गो 5.6 प्रतिशत बढ़ा,स्टील की खपत में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि,नवीकरणीय बिजली उत्पादन में 18.2 प्रतिशत की वृद्धि,कच्चे स्टील में 12.2 प्रतिशत और फिनिश्ड स्टील में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि, ट्रैक्टर उत्पादन 9.8 प्रतिशत और सीमेंट उत्पादन 7 प्रतिशत बढ़ा,कैपिटल गुड्स में 14.1 प्रतिशत की वृद्धि (मई 2025), आरबीआई का मई 2025 का सर्वे दर्शाता है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आय, रोज़गार और खर्च को लेकर उपभोक्ता विश्वास मजबूत है। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि यह कोई मरी हुई अर्थव्यवस्था नहीं यह है पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक उभरता, आत्मनिर्भर और दृढ़ भारत।अब समय आ गया है भारत देश के सभी नागरिक नेहरू-गांधी परिवार की उस गहरी हीन भावना को पहचानें, जिसने दशकों तक भारत को छोटी सोच और विदेशी तुष्टीकरण की बेड़ियों में जकड़ रखा था। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि नया भारत खुद पर विश्वास करता है चाहे राहुल गांधी करें या नहीं।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा,भाजयुमो जिलाध्यक्ष निश्चल चौधरी, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा को प्रदेश में दिया विशेष दर्जा : महेंद्र सिंह

लाडवा, 1 अगस्त (राम गोपाल) : मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा को प्रदेश में विशेष दर्जा दिया है। प्रदेश में किसी विधानसभा ने विधायक तो किसी ने मंत्री चुना है, लेकिन लाडवा के लोगों ने सीधे ही मुख्यमंत्री को चुना है। यही चयन लाडवा के लोगों को दूसरों से अलग रख रहा है। यहां के लोगों को इसी लिहाज से सुविधाएं भी मुहैया करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हर वर्ग के लिए और हर विभाग में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों को झंड़ी देते हुए समस्याओं को दूर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित खुले दरबार में लाडवा विधानसभा के लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चंडीगढ़ के चक्कर ना लगाने पड़े, इस बात को देखते हुए लाडवा में ही सप्ताह के दो दिनों में खुले दरबार का आयोजन कर समस्याएं सुनी जा रही हैं। इसके अलावा सप्ताहभर मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रभारी कैलाश सैनी द्वारा जनता से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान करवाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं भी हलका के अंदर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार आ रहे हैं और जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। दो दिन पहले के दौरे में आठ गांवों विकास के लिए करोड़ों रुपए सौगात दी। साथ में एक पीएचसी का शिलान्यास और एक खेल स्टेडियम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि अब लाडवा विधानसभा के किसी भी गांव में पीने के पानी की समस्या नहीं रहेगी। जिस गांवों में पीने के पानी की पाइप लाइन में कोई दिक्कत परेशानी है उसको सरकार द्वारा बदलवाकर नई पाइप लाइन डाली जाएगी।

मुख्यमंत्री के एडीसी महेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपनी लाडवा विधानसभा के लोगों का सफर सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए सडक़ों के विकास कार्य करवा रहे हैं। अधिकारियों को सडक़ों के सुदृढकरण के लिए आदेश भी मुख्यमंत्री ने जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में लाडवा विधानसभा क्षेत्र में कुरुक्षेत्र-सहारनपुर स्टेट हाईवे सहित 39 सडक़ों पर 32.26 करोड़ रुपए से चौड़ा करने, सुदृढ़ीकरण, सुधार और मजबूती के कार्य चले हुए हैं। खास बात ये है कि इन सडक़ों के अधिकतर कार्य अगस्त माह में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लाडवा हलका की जनता के कामों को लेकर काफी गंभीर हैं। पिछले दिनों विधानसभा में ही सभी अधिकारियों के साथ मीटिंग लेकर तेज गति और प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को पूरा करने के लिए निर्देश दिए थे। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को विधानसभा के विभिन्न नए विकास कार्यों को शुरू करने को भी कहा था। आदेशों की पालना करते हुए अधिकारियों द्वारा योजना बनाकर भी भेजी जा रहीं हैं। इस मौके पर भाजपा नेता नायब सिंह पटाक माजरा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, पूनम सैनी, सन्नी कालड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवसर

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र (प्रोसेस्ड फूड) तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बड़ी तादाद में भारत का रुख कर रही हैं। ऐसे में यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए इस क्षेत्र में पारंगत लोगों की मांग भी बढ़ रही है। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं हो सकती। यही कारण है कि अब युवाओं की इसमें रुचि इसमें ब?ती जा रही है। इस क्षेत्र को युवा अब आकर्षक कॅरियर के रूप में देख रहे हैं और इसके लिए जरुरी तकनीकी शिक्षा भी हासिल कर रहे हैं। कारोबार जगत के संगठन (फिक्की) की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग के कारोबार में भारत में कुशल लोगों की बेहद कमी है। आने वाले समय में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य बहुत ही सुनहरा होने वाला है। अगर आंकड़ों की मानें तो आने वाले कुछ सालों में यह उद्योग इस रफ्तार से बढ़ेगा कि नौकरियों की बहार होगी।

जरुरी योग्यता

ऐसे में यदि आप इस उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 10+2 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री भी आवश्यक होती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का काम

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं, जिनसे प्रोस्सेड फूड जैसे- मक्खन, सॉफ्ट ड्रिंक, जेम व जेली, फ्रूट जूस, बिस्कुट, आइसक्रीम आदि की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप बरकरार रह सके। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। वह कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। कच्चे माल से लेकर प्रोडक्ट तैयार होने तक कंपनी को उसकी हर स्तर पर जरूरत होती है। ग्लोबल स्तर पर कंपनी का भविष्य फूड टेक्नोलॉजिस्ट की योग्यता पर ही निर्भर रहता है।

मैनुफैक्चर्ड प्रोसेसेज = इस प्रक्रिया के जरिए कच्चे कृषि उत्पादों और मीट आदि पशु उत्पादों के भौतिक स्वरूप में बदलाव लाया जाता है। इससे यह उत्पाद खाने और बिक्री योग्य बन जाते हैं। वैल्यु एडेड प्रोसेसेज के जरिए कच्चे खाद्य उत्पादों में कई ऐसे बदलाव किए जाते हैं। जिससे वह ज्यादा समय के लिए सुरक्षित रहते हैं और कभी भी खाने लायक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए टमाटर से बने सॉस और दूध से तैयार आईसक्रीम जैसे उत्पादों को देखा जा सकता है।

किस लिए है जरूरत

फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत आज सभी देशों को है। इसका उदेद्श्य लोगों को ऐसी खाघ सामाग्री पहुंचाना है जो गुणवत्ता और स्वाद के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर हो।

इस क्षेत्र में किये जाने वाले प्रमुख कोर्स

बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी

बीटेक फूड टेक्नोलॉजी

एमटेक फूड टेक्नोलॉजी

पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी

एमबीए(एग्री बिजनेस मैनेजमेंट

अवसर

इस कोर्स के बाद आपके पास नौकरी के कई सारे विकल्प होते हैं। आप फूड प्रोसेसिंग यूनिटों, रिटेल कंपनियों, होटल, एग्री प्रोडक्टस बनाने वाली कंपनियों से जुड़ सकते हैं। या फिर खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांचने, उनके निर्माण कार्य की निगरानी करने और खाद्य वस्तुओं को संरक्षित करने की तकनीकों पर काम करने वाली प्रयोगशालाओं से भी जुड़ सकते हैं।

वेतनमान-इस क्षेत्र में आप शुरुआती स्तर पर आप 8 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। सालों के अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जु?ते हैं, तो आपकी कमाई और बढ सकती है। इस क्षेत्र में सैलरी और काम दोनों दिलचस्प होते हैं।

किस तरह की होती है पढ़ाई--जिस तरह अलग-अलग तरह के खाने को देखकर मन खुशी बढ़ती है। ठीक उसी तरह फूड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई जाने वाली पढ़ाई भी बहुत दिलचस्प होती है। फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के रख-रखाव से लेकर पैकेजिंग, फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन, फल, मांस, वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती है।

यहां होते हैं कोर्स

यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी

जी. बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर ऐंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर, उत्तराखंड

बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी

कानपुर यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश

कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब

मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई

नागपुर यूनिवर्सिटी

सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट, मैसूर

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, बिहार।

एमबीबीएस में प्रवेश के लिए कितने स्कोर की जरुरत है

हर साल लाखों छात्र राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा देते हैं। इनमें से तमाम उम्मीदवारों का सपना होता है कि वह किसी भी तरह चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीसएस की सीट हासिल कर सकें, लेकिन एक सवाल जो हर उम्मीदवार के मन में रहता है, वह है कि नीट में कितने स्कोर चाहिए, जिससे कि एमबीबीसएस की सीट पक्की हो जाए? इसके बारे में पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता है पर नीट में एमबीबीसएस के लिए दो स्कोमर महत्वौपूर्ण होते हैं और इन्हींस स्को र के आधार पर आपका प्रवेश तय होता है। क्वालिफाइंग कट-ऑफ- यह न्यूनतम अंक हैं, जो नीट परीक्षा पास करने और काउंसलिंग के लिए योग्य होने के लिए चाहिए। एडमिशन कट-ऑफ- यह कॉलेज का कट-ऑफ है, जो सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए चाहिए। एनटीए प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग परसेंटाइल निर्धारित करती है। ऐसे में एमबीबीएस के लिए सामान्य श्रेणी के लिए 50वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 720 से 164 के बीच होना चाहिए। वहीं ओबीसी , एससी, और एसटी श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 129 के बीच होना चाहिए।

सामान्य-पीएच श्रेणी के लिए 45वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 146 के बीच होना चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी, और ओबीसी पीच श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 145 से 129 के बीच होना चाहिए। एमबीबीएस में एडमिशन के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कट ऑफ बहुत अधिक होता है। पिछले कई वर्षों के कट ऑफ के आधार पर कहा जा सकता है कि एआईएमएस, जे आईपीएमएआर , और एमएएमसी जैसे शीर्ष संस्थानों में एडमिशन के लिए नीट में 700 से 710 या उससे अधिक स्कोर लाना जरूरी है. तभी आप इन कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं .अन्य सरकारी कॉलेजों में 15 फीसदी अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के तहत प्रवेश के लिए नीट में 650 से 700 का स्कोर जरूरी है। इसी तरह राज्य कोटा (85फीसदी) के लिए सामान्य श्रेणी में 600 से 650 स्कोर आवश्यक है। वहीं बोबीसी श्रेणी के लिए 590 से 650 स्कोर की आवश्यकता है।

बिजनेस, स्टूडेंट और वर्क वीजा के लिए भी साक्षात्कार आवश्यक

हर देश की अपनी वीजा पॉलिसी है! ज्यादातर देशों में वीजा के लिए इंटरव्यू पास करना जरूरी है। वहीं लोग चीन जाना चाहते हैं वे ध्यान दें कि चीन वीजा इंटरव्यू (साक्षात्कार) का उद्देश्य आवेदक की यात्रा के मकसद, वित्तीय स्थिति और देश छोड़ने की मंशा को पता करना है। बिजनेस (एम) स्टूडेंट (एक्स) या वर्क (जेड) वीजा के लिए यह प्रक्रिया आम है। कभी-कभी पर्यटक वीजा (एल) के लिए भी इंटरव्यू लिया जा सकता है। चीनी दूतावास तय करता है कि भारतीय आवेदकों की यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट हो और आवेदक काम हो जाने के बाद भारत लौट जाना चाहते हों। चीन वीजा इंटरव्यू में पर्सनल, प्रोफेशनल और फाइनेंशियल जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। इनसे डॉक्यूमेंट्स की प्रामाणिकता की जांच की जाती है। चीन में वीजा इंटरव्यू अनिवार्य नहीं है पर अगर दूतावास को आवेदन पत्र में दी गई जानकारी पर संदेह होता है तो उसके लिए अनुरोध किया जा सकता है।

चीन वीजा इंटरव्यू की प्रक्रिया--चीन वीजा इंटरव्यू की प्रक्रिया आमतौर पर अंग्रेजी या मंदारिन भाषा में होती है। भारतीय आवेदकों के लिए हिंदी में मदद उपलब्ध हो सकती है। वीजा इंटरव्यू में सफल होने के लिए आवेदकों के पास पासपोर्ट, निमंत्रण पत्र और बैंक स्टेटमेंट जैसे डॉक्यूमेंट्स होने चाहिए। चीन वीजा इंटरव्यू में यात्रा का उद्देश्य पूछा जाता है। इसके अलावा यात्रा के उद्देश्य और अवधि को लेकर भी सवाल उठता है। यात्रा कार्यक्रम पर भी सवाल उठते हैं। टूरिस्ट वीजा के लिए होटल बुकिंग और ट्रैवल प्रोग्राम के बारे में जानकारी मांगी जाती है। बिजनेस या फैमिली वीजा के लिए निमंत्रण पत्र के विवरण की जांच हो सकती है. पिछली यात्राएं और वीजा इतिहास क्या आप पहले चीन गए हैं? अगर हां तो कब और क्यों? क्या आपका कोई वीजा पहले रिजेक्ट हुआ है? अगर हां तो क्यों?

पुराने पासपोर्ट या पिछले वीजा की जानकारी मांगी जा सकती है.

वापसी का इरादा- आप भारत कब और क्यों लौटेंगे?

बीटेक कोर्स में प्रवेश के समय भविष्य पर भी ध्यान दें

पिछले कुछ सालों में बीटेक की कई ब्रांच की वैल्यू कम हो गई है! किसी भी इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेते समय उसके भविष्य के बारे में जरूर पता कर लें। इसका कारण है कि कारोबार जगत की मांग में बदलाव आया है। अगर आप 2025 में बीटेक कोर्स में एडमिशन लेने का मन बना रहे हैं तो इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ ही उस कोर्स से जुड़ी हर डिटेल भी पता कर लें। उसमें कितनी नौकरियां हैं, क्या भविष्य में विदेश में नौकरी मिल सकती है। सैलरी कितनी मिलेगी और अगले 5-10 सालों तक उसका स्कोप क्या रहेगा।

इस साल या अगले साल कौन सा इंजीनियरिंग कोर्स डिमांड में रहेगा, इसके लिए आप किसी काउंसलर से भी सलाह ले सकते हैं. बीटेक कॉलेज में एडमिशन लेते समय अपनी रुचि का भी ध्यान रखें। किसी भी कोर्स में दाखिला लेने से पहले उसका सिलेबस चेक करके उसे विस्तार से समझ सकते हैं। जानिए टॉप 5 बीटेक कोर्स, जो कई सालों तक डिमांड में रहेंगे और उनमें सैलरी भी बढ़िया मिलेगी-

1 कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग

आईटी के इस दौर में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग कोर्स सबसे लोकप्रिय और मांग वाला कोर्स है। इसके सिलेबस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), डेटा साइंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे टॉपिक्स शामिल हैं। भारत में टेक इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है और इसीलिए सीएसई ग्रेजुएट्स की डिमांड भी बढ़ रही है।

करियर विकल्प- सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ, एआईएलएल इंजीनियर.

औसत वेतन- फ्रेशर्स के लिए 4-10 लाख रुपये प्रति वर्ष, अनुभव के साथ 20 लाख रुपये तक.

2 इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ईसीई

इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वायरलेस टेक्नोलॉजी की बढ़ती मांग के कारण यह कोर्स भविष्य के लिए अच्छा है। यह इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, कम्युनिकेशन नेटवर्क और एम्बेडेड सिस्टम पर फोकस्ड है.

करियर विकल्प- टेलीकॉम इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइनर।

औसत वेतन- फ्रेशर्स के लिए 3-8 लाख रुपये प्रति वर्ष.

3 मैकेनिकल इंजीनियरिंग एमई

यह बीटेक की एवरग्रीन ब्रांच है, जो ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, मैन्युफैक्चरिंग और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में अवसर प्रदान करती है। ऑटोमेशन और 3ष्ठ प्रिंटिंग जैसी नई टेक्नीक्स ने इसकी डिमांड बढ़ा दी है।

करियर विकल्प- मैकेनिकल डिजाइन इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर, ऑटोमोटिव इंजीनियर.

औसत वेतन- फ्रेशर्स के लिए 3-6 लाख रुपये प्रति वर्ष, अनुभव के साथ 10 लाख रुपये तक.

4- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिक वाहन (इवी) और ऑटोमेशन में प्रोग्रेस के चलते इस बीटेक कोर्स की डिमांड बढ़ रही है। यह बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम पर केंद्रित है।

करियर विकल्प- पावर सिस्टम इंजीनियर, ऑटोमेशन इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर।

औसत वेतन- फ्रेशर्स के लिए 4-7 लाख रुपये प्रति वर्ष.

5 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग (एआईएलएल)

एआई और एमएल उभरते हुए क्षेत्र हैं, जो हेल्थकेयर, फाइनेंस और ऑटोमोटिव जैसी इंडस्ट्रीज में क्रांति ला रहे हैं. यह एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है। कई संस्थानों में यह सीएसई के तहत या अलग से उपलब्ध है.

करियर विकल्प- एआई इंजीनियर, एमएल इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट.

औसत वेतन- फ्रेशर्स के लिए 5-12 लाख रुपये प्रति वर्ष, उच्च मांग के कारण अधिक भी हो सकता है.

बीटेक का बेस्ट कोर्स कैसे चुनें?

रुचि- अपनी रुचि के क्षेत्र (जैसे कोडिंग, हार्डवेयर, या डिजाइन) के आधार पर कोर्स चुनें।

बाजार मांग और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखें।

डिजिटल भारत:अनगिनत अवसर और समावेशी सपनों की उडान

-**डॉ. शैलेश शुक्ला**

क्या आप जानते हैं कि भारत में हर मिनट 1,000 से अधिक लोग डिजिटल भुगतान कर रहे हैं और 2025 तक देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है? (स्रोत = नासकॉम, 2024) फिर भी, देश के 60त्न से अधिक ग्रामीण परिवारों के पास इंटरनेट की पहुंच नहीं है और हर दिन साइबर अपराधों के कारण लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। (स्रोत = राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, 2024) यह विरोधाभास भारत की डिजिटल यात्रा की कहानी को न केवल रोचक बनाता है, बल्कि यह सवाल भी उठाता है कि क्या हम वाकई एक समावेशी डिजिटल भारत की ओर बढ़ रहे हैं? डिजिटल इंडिया पहल ने पिछले एक दशक में भारत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, लेकिन इस दौड़ में कई चुनौतियाँ और अवसर साथ-साथ चल रहे हैं। यह संपादकीय भारत की डिजिटल प्रगति, उसकी बाधाओं और समावेशी विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है, ताकि हर भारतीय इस तकनीकी क्रांति का हिस्सा बन सके। आइए, इस यात्रा को समझें और यह जानें कि भारत कैसे एक डिजिटल महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। भारत की डिजिटल प्रगति की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। 2015 में शुरू हुई डिजिटल इंडिया पहल ने देश में इंटरनेट की पहुंच को 20त्न से बढ़ाकर 2025 तक लगभग 55त्न तक पहुंचा दिया है। (स्रोत = ट्राई, 2025) यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म ने भारत को दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कैशलेस अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाया है। 2024 में यूपीआई लेनदेन की मात्रा 131 बिलियन से अधिक हो गई, जो वैश्विक स्तर पर एक रिकॉर्ड है। (स्रोत = एनपीसीआई, 2024) इसके अलावा, ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसे क्षेत्रों में तकनीक ने नई संभावनाएँ खोली हैं। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान, जब स्कूल बंद थे, तब स्वयं और दीक्षा जैसे मंचों ने लाखों बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। टेलीमेडिसिन ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया, जिससे दूरदराज के मरीज विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श कर सके।

स्टार्टअप्स की बात करें तो, भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स हैं, जो डिजिटल नवाचार का प्रतीक हैं। (स्रोत = हुरुन इंडिया, 2025) ये उपलब्धियाँ भारत की तकनीकी ताकत को दर्शाती हैं, लेकिन इस चमकती तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जो हमें गंभीरता से सोचने पर मजबूर करता है। डिजिटल भारत की राह में सबसे बड़ी बाधा है डिजिटल डिवाइड। भारत में 1.4 अरब की आबादी में से लगभग 700 मिलियन लोग अभी भी इंटरनेट से वंचित हैं। (स्रोत = ट्राई, 2025) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां 66त्न भारतीय रहते हैं, केवल 25त्न आबादी के पास नियमित इंटरनेट पहुंच है। यह असमानता न केवल तकनीकी पहुंच तक सीमित है, बल्कि डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के 70त्न से अधिक वयस्कों को बुनियादी डिजिटल कौशल, जैसे ऑनलाइन फॉर्म भरना या सुरक्षित पासवर्ड बनाना, नहीं आता। (स्रोत = ऑक्सफैम इंडिया, 2024) इसके अलावा, साइबर सुरक्षा एक और गंभीर चुनौती है। 2024 में भारत में साइबर अपराधों की संख्या में 24त्न की वृद्धि हुई, जिसमें फिशिंग, डेटा चोरी और रैनसमवेयर हमले शामिल हैं। (स्रोत = एनसीआरबी, 2024) डेटा गोपनीयता भी एक चिंता का विषय है, क्योंकि कई भारतीयों को यह नहीं पता कि उनके डेटा का उपयोग कैसे हो रहा है। ये चुनौतियाँ न केवल डिजिटल प्रगति को धीमा करती हैं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को और पीछे धकेलती हैं।

इन समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा। भारत सरकार ने भारत नेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन इसकी गति धीमी रही है। 2025 तक केवल 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में से 1.8 लाख को ही हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा जा सका है। (स्रोत = भारत नेट, 2025) इसे और तेज करने के लिए निजी टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। साथ ही, डिजिटल साक्षरता को स्कूलों और समुदायों में अनिवार्य करना चाहिए। उदाहरण के लिए, गुजरात और केरल जैसे राज्यों ने स्थानीय स्तर पर डिजिटल साक्षरता अभियान चलाए, जिनके परिणामस्वरूप ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों में तकनीकी जागरूकता बढ़ी है। साइबर सुरक्षा के लिए, सरकार को मजबूत कानून और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। 2023 में लागू डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए और प्रयास चाहिए। निजी कंपनियों को भी डेटा गोपनीयता के लिए जवाबदेह बनाना होगा, ताकि आम नागरिकों का भरोसा बढ़े।

डिजिटल भारत का भविष्य समावेशी विकास पर निर्भर करता है। यदि हम केवल शहरी क्षेत्रों और शिक्षित वर्ग पर ध्यान देंगे, तो डिजिटल डिवाइड और गहरा होगा। ग्रामीण भारत को डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं में तकनीकी सामग्री और सेवाएँ उपलब्ध करानी होंगी। उदाहरण के लिए, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियाँ हिंदी, तमिल और बंगाली जैसी भाषाओं में डिजिटल उपकरण विकसित कर रही हैं, जो ग्रामीण उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी हैं। साथ ही, छोटे शहरों और गाँवों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना होगा। सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल ने 80,000 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन दिया है, लेकिन इनमें से केवल 15त्न ही ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। (स्रोत = स्टार्टअप इंडिया, 2025) ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष नीतियाँ और फंडिंग की आवश्यकता है। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और सुलभ बनाना होगा, ताकि हर भारतीय तकनीक के लाभों का हिस्सा बन सके।यह भी महत्वपूर्ण है कि डिजिटल भारत की दौड़ में हम अपनी सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को बनाए रखें। तकनीक का उपयोग केवल आर्थिक विकास के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उत्थान के लिए भी होना चाहिए। उदाहरण के लिए, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। ओडिशा के हस्तशिल्पियों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अपनी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, जो एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

किसान सभा आदमपुर तहसील का सम्मेलन सम्पन्न-कपूर सिंह बगला बने प्रधान

हिसार, 1 अगस्त (महेंद्र गोयल) : अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी आदमपुर का सम्मेलन अनिल बैन्दा, मांगेराम गोदारा व रघुबीर सिहं मडेरना की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संचालन कपूर सिंह बगला व सतबीर सिंह धायल ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि अखिल भारतीय किसान सभा हर रोज किसानों की समस्याओं के लिए संघर्ष कर रही है, इसलिए हर किसान को किसान सभा से जुडक़र किसानों की लड़ाई को तेज करना चाहिए।

सम्मेलन मे 3 साल की गतिविधियों आंदोलनात्मक व सांगठनिक रिपोर्ट सतबीर सिंह धायल ने प्रस्तुत की। प्रतिनिधियों ने रिपोर्ट पर बहस में हिस्सा लिया और अपने सुझावों को रिपोर्ट में शामिल करवाया। सम्मेलन में राज्य उपाध्यक्ष दिनेश सिवाच ने फिलिस्तीन के गाजापट्टी में इजराईल व अमेरिका द्वारा किये जा रहे नरसंहार की कड़ी निन्दा की व समाजवादी देश क्युबा की अमेरिका द्वारा आर्थिक घेराबंदी की कड़ी आलोचना करते हुए क्युबा एकजुटता फंड में किसानों से ज्यादा से ज्यादा योगदान करने की अपील की जिसे किसानों ने हाथों हाथ लिया। किसान सभा के राज्य महासचिव सुमित दलाल ने कहा कि किसान सभा एक करोड़ 54 लाख सदस्यता वाला किसानों का सबसे बड़ा किसान संगठन है, जिसका इतिहास अपने स्थापना वर्ष 1936 से आजादी के आन्दोलन व किसानों की मागों को लेकर लडने का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली का निजीकरण करने का हथकंडा है, जिसे किसान सभा और संयुक्त मोर्चा कभी नहीं होने देगा। सम्मेलन में 15 सदस्सीय तहसील कमेटी का चुनाव किया गया जिसमें कपूर सिंह बगला को प्रधान, सतबीर सिंह धायल सचिव, रघुबीर सिंह मडेरना कोषाध्यक्ष, मांगेराम गोदारा, गुलाब सिंह पूनिया उपाध्यक्ष, सतपाल श्योराण, जगदीश पूनिया सह सचिव व सन्दीप बैनीवाल, राजेन्द्र सहारण, धर्मसिह बैनीवाल, बृजलाल किड़ोलिया, सेवा सिंह चाहर, राजेश सहारण, अशोक सिवर व रिछपाल जाखड़ को कमेटी का सदस्य चुना गया।

किसान सम्मेलन में 2 प्रस्ताव पारित किए

पहले प्रस्ताव में 18 जुलाई को तहसीदार के माध्यम से शासन प्रशासन को जो 19 सूत्रीय दिये गये ज्ञापन पर कारवाई नहीं हुई तो किसान बड़ा आन्दोलन करेंगे। दूसरा चौधरीवाली गांव में पकड़ी गई नकली डीएपी खाद इफको का मार्का वाला कट्टा, वजन में एक कट्टा 58 किलो से ज्यादा में कारवाई नहीं हुई तो किसान सभा, संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर प्रशासन और शासन के खिलाफ आंदोलन करेगी।

सेफ सिटी टीम ने नेशनल पब्लिक स्कूल यमुनानगर में किया छात्र/छात्राओं को जागरूक

यमुनानगर, 1 अगस्त (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस की सेफ सिटी टीम द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं। महिला पुलिस की टीम द्वारा छात्र/छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में पुलिस महानिरीक्षक अंबाला मंडल पंकज नैन के दिशा निर्देशानुसार व पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के नेतृत्व में एक स्पैशल टीम का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को, विशेष रूप से महिलाओं एवं लड़कियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इसी कड़ी में कार्य करते हुए वीरवार 1 अगस्त को सेफ सिटी की टीम ने नेशनल पब्लिक स्कूल यमुनानगर में छात्राओं को महिला विरुद्ध होने अपराधों के बारे में जानकरी दी। पुलिस की टीम ने लड़कियों को सैल्फ डिफेन्स का प्रशिक्षण भी दिया। लड़कियों को सम्बोधित करते हुए सेफ सिटी टीम के निरीक्षक मनोज कुमार व एएसआई नीलम ने कहा कि पुलिस हमेशा आप के साथ है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग द्वारा दुर्गा-शक्ति एप्प लांच की गई है। उन्होंने कहा कि दुर्गा शक्ति एप्प का लाल बटन दबाने से आपको पुलिस मदद मिलेगी इसलिए आप खुद को दुर्गा शक्ति एप्प पर रजिस्टर कर लें। महिला विरुद्ध होने वाले अपराधो की सूचना किसी भी थाना के महिला हेल्प डेस्क, महिला थाना, महिला हैल्पलाईन नम्बर 1091 या डायल 112 पर दी जा सकती है। सेफ टीम ने छात्राओं को दुर्गा शक्ति व डायल-112 की ट्रिप मोनिटरिंग सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस टीम ने सडक सुरक्षा तथा साईबर अपराधों बारे भी जागरूक किया।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में 11 आरोपी गिरफ्तार

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : कैथल पुलिस द्वारा लगातार आमजन को साइबर अपराधों से बचाव बारे जागरूक किया जा रहा है, वहीं पर जिला पुलिस द्वारा एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार साइबर अपराधियों पर शिकंजा भी कसा जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के एक मामले की जांच दौरान थाना साइबर क्राइम एसएचओ पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एसआई रविंद्र सिंह की टीम द्वारा आरोपी दिल्ली निवासी साक्षी, खुशबू, अविशका, प्रदीप कुमार, मोहित, विरेंद्र सिंह, रोहित, साहिल, नितिन, आयुष व साहिब को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पट्टी अफगान कैथल निवासी गौरव की शिकायत अनुसार 18 दिसंबर 2024 को उसके पास अनजान नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाली युवती ने खुद को बैंक से क्रेडिट कार्ड अधिकारी बताया था। आरोपी ने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ जाएगी। युवती के पूछने पर उसने मोबाइल पर आया कोड बता दिया।

कोड बताने पर युवती ने उसके क्रेडिट कार्ड के अंतिम 4 अंक व लिमिट बता दी, जिस कारण उसे विश्वास हो गया कि युवती बैंक अधिकारी है। आरोपी ने कहा कि कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए केवाईसी के नाम पर कार्ड व पहचान पत्र की फोटो मांगी। उसके बाद वाट्सएप पर कॉल आई, लेकिन कैमरा बंद किया हुआ था। उससे वीडियो कॉल पर आई 3 डॉट पर क्लिक करने को बोला और स्क्रीन शेयर करवाई। पेन कार्ड व क्रेडिट कार्ड की फोटो लेने के बाद केवाईसी पूरी होने की बात कहकर कॉल काट दी। कॉल कटने के बाद पता चला कि खाते से 70 हजार 384 रुपए निकाले जा चुके हैं। जिस बारे थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर लिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि सभी दिल्ली में एक फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे तथा आमजन से इस तरह की साइबर ठगी की वारदात कर रहे थे। जो फरीदाबाद पुलिस द्वारा किसी अन्य मामले में गिरफ्तार किए गए थे।

नरवाना में राजेंद्र आजाद ने संभाला खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार, शिक्षा जगत ने किया भव्य स्वागत

नरवाना, 1 अगस्त (नरेंद्र सिंहमार) : राजेंद्र आजाद ने नरवाना के नए खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर लघु सचिवालय के मुख्य द्वार पर उनका तिलक कर, फूल मालाओं और पुष्पगुच्छों से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य बलजीत गोयत ने की। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. ज्योति श्योकंद, पूर्व उप-जिला शिक्षा अधिकारी बलजीत पूनिया और खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश नैन सहित शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों और संस्थाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी। नीमा अध्यक्ष डॉ. सुशील कौशिक ने प्रशंसा पत्र भेंट किया, वहीं विभिन्न संघों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सम्मानित किया। इस अवसर पर क्षेत्रभर के सैकड़ों शिक्षाविद और सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में मां सरस्वती की पूजा कर शिक्षा के क्षेत्र में नवप्रयासों का संकल्प लिया गया।

फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के अंतर्गत पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चैन स्थापित करने हेतू आवेदन आमंत्रित

करनाल, 1 अगस्त (रविन्द्र मलिक) : उप-कृषि निदेशक डॉ वजीर सिंह ने बताया कि कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के अंतर्गत पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चैन स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छूक बायोमास इंडस्ट्री/एफ.पी.ओ/किसान समूह व व्यक्तिगत किसान योजना का लाभ लेने के लिए विभागीय पोर्टल पर 7 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना में कोई भी बायोमास इंडस्ट्री किसी भी एग्रीगेटर के साथ द्विपक्षीय समझौता सहित आवेदन कर सकती है। इसके तहत लागत का 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जाएगा तथा 10 प्रतिशत भाग एग्रीगेटर द्वारा व बाकी का 25 प्रतिशत हिस्सा स्वयं इंडस्ट्री द्वारा वहन किया जाएगा। इच्छुक इंडस्ट्री का हरियाणा में स्थापित होना अनिवार्य है। यदि कोई ग्रामीण उद्यमी एफ.पी. ओ./किसान समूह व व्यक्तिगत किसान बिना द्विपक्षीय समझौते के आवेदन करता है, तो प्रोजेक्ट लागत का 35 प्रतिशत भाग वह खुद वहन करेगा व 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जाएगा, जिसमे मशीनों की खरीद हेतु परियोजना लागत एक करोड़ (तीन हजार एम.टी. क्षमता प्रति सीजन) तथा डेढ़ करोड़ (चार हजार पांच सौ एम.टी क्षमता प्रति सीजन) होगी। धान पराली आधारित उद्योग, पराली उद्योग व पराली एग्रीगेटर जिनके बीच द्विपक्षीय समझौता हो व पिछले दो वर्ष से पराली का प्रबंधन व खरीद कर रहे हों, उन्हें इस योजना के अंतर्गत वरीयता प्रदान की जाएगी। सहायक कृषि अभियन्ता कुलबीर सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिन आवेदकों ने आवेदन किया था तथा वह भी जिन्हें जिला स्तरीय कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित करके राज्य स्तरीय कमेटी को भेज दिया गया था उन्हें पुन: विभागीय पोर्टल पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपना आवेदन करना होगा।

आवेदक भारत सरकार की फसल अवशेष प्रबंधन योजना (सी.आर.एम.) की ऑपरेशनल गाइड लाइन वर्ष 2025 अनुलग्नक -4 के ए व बी में दर्शाये गये कृषि यंत्रों में से ही कृषि यंत्रों का चुनाव कर सकते है। प्रत्येक परियोजना में अधिकतम तीन ट्रैक्टर ही अनुमोदित किये जायेंगे वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नए आवेदन 7 अगस्त 2025 तक विभागीय पोर्टल पर स्वीकार किये जायेंगे। जो आवेदनकर्ता वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 जुलाई तक पहले ही आवेदन कर चुके हैं वे आवेदक भी फसल अवशेष प्रबंधन योजना (सी.आर.एम.) की ऑपरेशनल गाइड लाइन वर्ष 2025 (अनुलग्नक -4 के ए व बी) के दिशा-निर्देशानुसार अपने आवेदनों को अपडेट करके सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। अधिक जानकारी के लिए किसान सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

पीएम श्री विद्यालय मंगोली के प्राचार्य लाजपत राय गर्ग 33 वर्ष की सेवा पश्चात शिक्षा विभाग से हुए सेवानिवृत्त

बाबैन, 1 अगस्त (राजेश कुमार) : पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंगोली जाटान के मुख्याध्यापक लाजपत राय गर्ग 33 वर्ष की लम्बी सफल सेवाओं के पश्चात शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो गए है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के द्वारा उनके सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें स्कूल से भावभीनी विदाई दी। मंच का संचालन सचिव अवशीष शर्मा एवं लखविंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, बच्चें एंव उनके परिवार के सदस्य व रिश्तेदार भी मौजूद रहे। इस अवसर पर लाजपत राय गर्ग ने अपने संबोधन में विद्यालय के सभी अध्यापकों को मेहनत से कार्य करने एवं बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने का संदेश दिया। उनके परिवार ने सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने अपनी सेवानिवृति पर विद्यालय को दो गोदरेज की अलमारियां भी भेंट की। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता एवं वाइस प्रिंसिपल संजीव कुमार, सेवा निवृत खण्ड शिक्षा अधिकारी भगवत स्वरूप गर्ग, प्रिंसिपल नरेश मोदगिल, प्रिंसिपल रमेश बंसल, लायन क्लब के हरियाणा एवं दिल्ली के गवर्नर उद्योगपति उमेश गर्ग, अवशीष शर्मा, मनमोहन शर्मा, बिंटू राम, लखविंदर सिंह, सतेंद्र कुमार, सौरभ सिंगला, बलविंदर सिंह, रविन्द्र कुमार, जसबीर सैनी, विवेक शर्मा मनोज कुमार, जसबीर बाँकुरा, मांगे राम, लखविंदर सिंह, सुमित शर्मा, आनन्द कुमार, सुनील, रामफल, मनप्रीत कौर, दीपिका, रिम्पी सैनी, नीना सैनी, सीमा शर्मा, अनिता, अनु धीमान , गुरजीत पॉल, पूनम शर्मा, नेहा सैनी, सविता औझला, भावना सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए बेहतर कार्य करेगी विधानसभा समिति : भगवानदास कबीरपंथी

तरावड़ी, 1 अगस्त (छाया शर्मा) : विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में गठित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए विधानसभा समिति गठित की है। इसी कड़ी में इन जातियों के लोगों के उत्थान के लिए समय-समय पर सरकार की योजनाएं जो धरातल पर चल रही योजनाओं के बारे संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तार विधानसभा समिति की कमेटी द्वारा जानकारी ली जाती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों की जिम्मेदारी है कि संविधान एवं कानून के दायरे में रहते हुए इन वर्गों के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं का समय-समय पर अवलोकन व निरीक्षण करें ताकि इन वर्गों के लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सकें।

वह जिला सचिवालय यमुनानगर के कॉन्फ्रेंस हॉल में विधानसभा समिति द्वारा अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण के हितों में चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा समिति के अध्यक्ष भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रदेश और जनता के हितों को ध्यान में रखकर पूरे प्रदेश का बजट पारित किया जाता है, बजट के इस पैसे का सही तरीके से इस्तेमाल हो और जो व्यक्ति इसके योग्य है, उन तक इसका लाभ पहुंचे। इसके लिए कमेटियों का गठन किया जाता है। इसलिए आज विधानसभा समिति की कमेटी संबंधित विषयों का अवलोकन करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से इन वर्गों से जुड़े विषयों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित जानकारी कि अनुसूचित जाति, जन जाति एवं पिछड़ा वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच रहा है, के बारे विस्तार से देंगे। विधानसभा समिति की बैठक में पुलिस विभाग से संबंधित जानकारी पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने दी।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक को कहा कि वे इन वर्गों के पीड़ित लोगों द्वारा दी गई शिकायत की सबसे पहले एफआईआर दर्ज करें और इस बारे दूसरे संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी सूचित करें ताकि पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द राहत मिल सकें और सरकार की योजनाओं के अनुसार उन्हें मुआवजा राशि दी जा सकें।

उन्होंने कहा कि जब भी विधानसभा समिति की बैठक का आयोजन हो, सभी संबंधित विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित दस्तावेज लेकर समिति की बैठक में आएं और कोई भी अधिकारी अधूरी जानकारी लेकर समिति की बैठक में न आए। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के डीडीए आदित्य प्रताप डबास ने अनुसूचित जाति के किसानों को दी जा रही योजनाओं के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 7 हजार अनुसूचित जाति के किसान हैं।

प्रशासन जनकल्याणकारी राज्य की परिकल्पना के अनुरूप कार्य करें, ताकि लोगों को राहत मिलें। बैठक में महात्मा गांधी ग्रामीण आवास योजना पर अध्यक्ष ने पंचायती राज, जनस्वास्थ्य विभाग इत्यादि विभागों के अधिकारियों से इन बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए पीने के पानी, बिजली, सडक़ें इत्यादि के बारे जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि महात्मा गांधी ग्रामीण बस्तियों में सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाना जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। इस प्रकार के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग इन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आपसी तालमेल से कार्य करें।

मूनक से कुताना सड़क पर सैंकड़ों गहरे गड्ढे-रहागीर परेशान

मूनक, 1 अगस्त (जय भगवान) : गांव मूनक से कुताना 5 किलोमीटर की दूरी पर सैकड़ो गहरे गड्ढे होने के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में यह गड्ढे पानी से भर जाने पर दिखाई न देने के कारण कई राहगीरों को चोटे लगने का खतरा रहता है।

रात के समय गाड़ियों की आगे से लाइट लगने से यह बिल्कुल भी दिखाई नहीं देते। बता दें कि कुताना के पास पानीपत रिफायनरी में हजारों की संख्या में आसपास के क्षेत्र के लोग मजदूरी करने के लिए जाते हैं। हजारों की संख्या में इस रोड से बड़े-बड़े वाहन निकलते हैं। जो गड्ढो से बचने के लिए कट मारते हैं । जिनसे मोटरसाइकिल व छोटे वाहन चालक को इन काटन से चोटे लग चुकी है। गड्ढे इतने गहरे हैं कि कई बार वहां गाड़ियां खराब हो जाती है।

सालवन गांव में महाराणा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ने असंध से कोहन्ड़ तक रिपेयर करने की घोषणा भी की थी। परंतु विभाग ने उसमें मिट्टी और पत्थर डालकर उनको भरने की कोशिश की। बारिश के कारण सभी पत्थर निकल गए और गहरे गड्ढे हो गए। जिससे आजीविका कमाने के लिए रिफाइनरी में जा रहे लोग अन्य साधन को आने-जाने में भारी समान ढोने वाले साधनों को काफी दिक्कत होती है। हल्का वासियों को बार-बार इस सड़क को बनाने की सरकार से मांग कर रहे हैं।

महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस एवं नए सत्र का उत्सव

नरवाना, 1 अगस्त (नरेंद्र सिंहमार) : एस डी कन्या महाविद्यालय नरवाना के प्रांगण में विद्यालय के नए सत्र की शुरुआत, स्थापना दिवस एवं दसवीं तथा 12वीं की छात्राओं द्वारा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेश सिंघल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत में नए सत्र के प्रारंभ के लिए हवन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रबंधक समिति ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के लिए आहुतियां डाली। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति के द्वारा दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रधानाचार्या नीना गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे विद्यालय की छात्राओं ने हरियाणा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में क्रमश: 12वीं कॉमर्स में यशिका सुपुत्री सूरजभान ने 500 में 495 तथा कोमल सुपुत्री कृष्ण ने 500 में से 495 अंक प्राप्त कर हरियाणा प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा दसवीं कक्षा में निधि सुपुत्री रणधीर ने 500 में से 495 अंक प्राप्त कर हरियाणा प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं पूरे नरवाना क्षेत्र का नाम रोशन किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रबंधक समिति के द्वारा 12वीं की दोनों छात्राओं को 31000-31000 हजार रुपए तथा दसवीं की छात्रा को 21000 हजार, रुपए स्मृति चिन्ह तथा स्कूल बैग देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली सभी 100 छात्राओं को स्कूल बैग देकर प्रबंधक समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। इन छात्राओं को पढ़ाने वाले सभी अध्यापक एवं अध्यापिका को 11000-11000 हजार रुपए तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा अपने विषय में बच्चों को 100 प्रतिशत अंक दिलाने वाले सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को 5100- 5100 रुपए एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं की उपलब्धि पर जहां प्रबंधक समिति इतनी प्रसन्न है वही प्रबंधक समिति द्वारा सम्मान पाकर पूरा विद्यालय परिवार गर्व का अनुभव कर रहा है। प्रबंधक समिति के द्वारा प्रधानाचार्या नीना गुप्ता के अमूल्य योगदान के लिए उनको विशेष पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेश सिंघल, उप प्रधान राजकुमार गोयल , महासचिव जियालाल गोयल ने सफल कार्यक्रम के आयोजन पर पूरे विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी एवं बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

राजकीय बालिका विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कलायत, 1 अगस्त (सूबे सिंह) : पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को लेकर राजकीय बालिका विद्यालय गांव सजूमा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्याध्यापक गुलाब सिंह की रहनुमाई में आयोजित कार्यलवम के जरिये विद्यार्थियों व छात्राओं ने पौधे लगाओ और पर्यावरण को शुद्ध बनाओ का संदेश दिया। मुख्याध्यापक गुलाब सिंह, श्वेता बिन्दलिश, आरती, मोहिनी और बीना देवी ने कहा कि एक पेड़ गांव के नाम कार्यक्रम सही मायने में हरियाणा प्रदेश को हरा-भरा बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। पेड़ न केवल कार्बन डाईआक्साइड, कार्बन-मोना ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड व नाईट्रोजन डाई-ऑक्साइड जैसी गैसों को ग्रहण करते हुए मानव जीवन को शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। इसलिए हर किसी का जीवन पूरी तरह से पेड़-पौधों पर निर्भर रहता है। पेड़-पौधों से शुद्ध पर्यावरण के साथ-साथ जरूरत की अनेकों वस्तुएं मिलती हैं। पौधा रोपण अवसर पर स्टाफ व विद्यार्थियों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति का श्रृंगार हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

श्री खाटू श्याम एवं सालासर सेवा समिति द्वारा विशेष बैठक

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : श्री खाटू श्याम एवं सालासर सेवा समिति कि जिंदल मार्केट कैथल कार्यालय में एक बैठक की गई जिसमें प्रधान मनोज सिंगला ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संस्था के कोषाध्यक्ष चिराग बंसल ने दो महीने का लेखा-जोखा दिया। संस्था के प्रधान ने कावड़ियों के भंडारे की सभी को बधाई दी। जुगल किशोर ने बताया कि संस्था द्वारा रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए 51 ऑटो रिक्शा निशुल्क चलाई जाएगी। जिनके मुख्य अतिथि हरियाणा राइस एसोसिएशन के प्रधान अमरजीत छाबड़ा होंगे। ऑटो रिक्शा रक्षाबंधन के दिन सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। सोमनाथ ने बताया कि जो हमारा अगला कार्य 11 कन्याओं की शादी करने का विचार विमर्श किया गया है। हर माहिने संस्था नि:शुल्क मेडिकल कैंप लगाती है। इस मौके पर। मनोज सिंगला, चिराग बंसल, सोमनाथ गुप्ता, प्रकाश बंसल, राजेंद्र अग्रवाल, भीम सैन वधवा, पंकज मित्तल, विकास गर्ग एडवोकेट, राजेश पांचाल आदि सदस्य मौजूद रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए पैडी स्ट्रा सप्लाई चेन हेतु 7 अगस्त तक करें आवेदन

कुरुक्षेत्र, 1 अगस्त (सुदेश कुमार) : कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में फसल अवशेष प्रबंधन हेतू पैडी स्ट्रा सप्लाई चेन स्थापित करने के लिए पहले 15 जुलाई अन्तिम तिथि तय की गई थी। अब 7 अगस्त तक प्रार्थी आवेदन कर सकता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि अधिकतर आवेदनों में आवेदकों द्वारा अपने पूरे दस्तावेज विभागीय पोर्टल पर अपलोड नहीं किए गए थे। इसलिए विभाग द्वारा इस पोर्टल को आवेदन हेतु पुन:= खोला गया है जिसकी आवेदन की अन्तिम तिथि 7 अगस्त 2025 है। उन्होंने आवेदकों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने आवेदन विभागीय वेबसाइट एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर अपडेट कर सकते है। सहायक कृषि अभियन्ता राजेश वर्मा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में जिन आवेदकों ने आवेदन किया था वह भी पुन: पोर्टल पर अपना आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सीआरएम स्कीम की गाइडलाइन में दर्शाये गए कृषि यंत्रों में से ही आवेदक कृषि यंत्रों का चुनाव कर सकते है।

समाजसेवी स्व. मेहरचंद मेंहदीरत्ता की 36वीं पुण्यतिथि पर 21वां रक्तदान शिविर आज

कुरुक्षेत्र, 1 अगस्त (सुदेश कुमार) : समाजसेवी स्वर्गीय मेहरचंद मेंहदीरत्ता की 36वीं पुण्यतिथि पर 21वां रक्तदान शिविर एवं 16वां निशुल्क मेगा हेल्थ जांच शिविर 2 अगस्त को मेहरचंद चैरिटेबल डिस्पेंसरी एवं लाइब्रेरी कीर्ति नगर में सुबह 10 बजे लगाया जाएगा। समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार पंकज अरोड़ा ने बताया कि समाजसेवी स्वर्गीय मेहरचंद मेंहदीरत्ता की 36 वीं पुण्यतिथि पर कीर्ति नगर में 21वां रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। इस रक्तदान शिविर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दर्जनों लोग स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे। इसके अलावा 16वां निशुल्क मेगा जांच शिविर भी लगाया जाएगा। यह शिविर बीएस हार्ट केयर मल्टी स्पेशिलिटी अस्पताल के सहयोग से लगाया जाएगा। इस शिविर में हृदय जांच, शुगर, कोलेस्ट्रॉल की जांच भी निशुल्क की जाएगी। एमडी डा. पवन बंसल एवं उनकी टीम द्वारा यह जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य शिविर में हड्डी रोगों की जांच डा. गौरव व उनकी टीम द्वारा की जाएगी, जबकि महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच डा. सुरभि तिवारी द्वारा की जाएगी। इस कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया की ओर से नि:शुल्क मेडिकल कैम्प 3 को पी.जी.एस.डी. स्कूल में

हिसार, 1 अगस्त (महेंद्र गोयल) : बैंक ऑफ इंडिया, हिसार की ओर से विश्व विख्यात चिकित्सा संस्थान मेदान्ता दि मेडिसिटी, गुडग़ांव के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम द्वारा 3 अगस्त को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पड़ाव चौक स्थित पी.जी.एस.डी. स्कूल में नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बैंक के सीनियर मैनेजर कमल गोयल ने बताया कि कैम्प में हृदय सम्बंधी सभी रोग, शारीरिक कम्पन्न, चक्कर आना, आधे सिर में दर्द, कमर दर्द, मिर्गी दर्द, दिमागी नसें बंद होना, अधरंग, लकवा, हाथ-पैर का सुन्न होना, चलने, सीढ़िया चढ़ने व भारी काम से सांस फूलना, घबराहट, उच्च रक्तचाप, दिल की धडक़न बढऩा आदि सभी रोगों का इलाज किया जाएगा। गोयल ने बताया कि विधायक सावित्री जिंदल मुख्यातिथि होंगे। अध्यक्षता पी.जी.एस.डी. संस्थाओं के प्रधान बजरंग गर्ग करेंगे। विशिष्ट अतिथि फील्ड महाप्रबंधक, चंडीगढ़ अनिल कुमार वर्मा व आंचलिक प्रबंधक, चंडीगढ़ अंचल के रुप में उपस्थित होंगे।

कातिलाना हमला करने के मामले में थाना ढांड पुलिस द्वारा तीसरा आरोपी काबू

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : ढांड क्षेत्र में एक युवक पर कातिलाना हमला करने के मामले की जांच थाना ढांड एसएचओ एसआई रेखा की अगुवाई में एएसआई सुरेश कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव पबनावा निवासी राजेश कुमार को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिला यमुनानगर के गांव पम्मुवाला निवासी रामकुमार की शिकायत अनुसार वह और जसप्रित 3 जुलाई को बस में किसी निजी काम के लिए कुरुक्षेत्र से कैथल बस में जा रहे थे। जब वे दोनों गांव पबनावा में बस से उतर कर गांव की तरफ जा रहे थे तो सामने से 3 अज्ञात नौजवान लड़के हाथ में डण्डे लिए हुए आ रहे थे।

उन्होने जसप्रित को डण्डो से पिटना शुरु कर दिया जिससे जसप्रित के सिर व शरीर पर काफी चोटें आई। तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। जिस बारे थाना ढांड में मामला दर्ज कर लिया गया। मामले में पहले ही आरोपी गांव टयोठा निवासी रोहित कुमार व कमोदा जिला कुरुक्षेत्र निवासी प्रिंस को काबू किया जा चुका है। प्रवक्ता ने बताया कि करीब 1 साल पहले आरोपी रोहित व अन्य के साथ पिपली निवासी हेरी का लड़ाई झगड़ा हुआ था।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

अदाणी एग्रो फ्रेश लाया डिजिटल मंडी, किसानों को मिलेगा भारी लाभ

चंडीगढ़ 1 अगस्त (मधु राजपूत) हिमाचल प्रदेश की सेब अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अदाणी एग्री फ्रेश ने कल बिठल-रामपुर में अपनी अग्रणी डिजिटल मंडी का शुभारंभ किया। यह तकनीक सेब व्यापार के क्षेत्र में पारदर्शिता, गति और किसान सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी छलांग है।यह कदम किसानों की सहूलियत को ध्यान में रख कर उठाया गया है। इस तकनीक को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि पैकेजिंग, मूल्य निर्धारण और भुगतान में देरी जैसी लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर किया

जा सके। अब किसानों को न तो बॉक्स खरीदने की जरूरत होगी, न ही महँगी पैकिंग में निवेश करना पड़ेगा। किसान ताज़ा सेब क्रेट्स में भरकर मंडी ला सकते हैं, बाकी का काम मंडी में ही होगा। यहां पर अदाणी की टीम आधुनिक तकनीक से फलों की छंटाई, वजन और गुणवत्ता के अनुसार वर्गीकरण करेगी। यह पूरा प्रोसेस बिना किसी पक्षपात के मशीनों द्वारा किया जाएगा।अदाणी एग्री फ्रेश लिमिटेड के बिजनेस हेड मनीष अग्रवाल ने कहा , अदाणी समूह हिमाचल प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए काम कर रहा है। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को उनके उत्पादों के लिए सही मूल्य मिले। यह %डिजिटल मंडी% हमें हिमाचल प्रदेश के सेब किसानों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में मदद करेगी और वे अपनी आय को अधिकतम कर सकेंगे। यह फसल की बिक्री और खरीद की पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय भी बनाएगी। फलों की डिजिटल बोली प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए, पूरे भारत के खरीदार वर्चुअल या व्यक्तिगत रूप से भाग ले सकते हैं, और उन्हें हर खेप की रीयल-टाइम तस्वीरें और गुणवत्ता डेटा उपलब्ध होगा। भुगतान सात दिनों के भीतर डिजिटल रूप से किए जाएंगे, जिससे किसानों को अपनी कमाई जल्द मिलेगी।

बाबू अनंतराम जनता कॉलेज कौल में हवन-यज्ञ के साथ किया नव शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

निसिंग, 1 अगस्त (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनंतराम जनता कॉलेज कौल में नव शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ धार्मिक और आत्मिक वातावरण में हवन यज्ञ के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर कॉलेज के उपाध्यक्ष चौधरी कंवर सिंह तथा प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने विधिवत आहुति प्रदान करते हुए नवीन सत्र की सफलता हेतु मंगलकामनाएँ कीं। डॉ. ऋषिपाल ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सत्र न केवल शैक्षणिक दृष्टि से बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टि से भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहेगा। उन्होंने शिक्षकों और कर्मचारियों से नई ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कॉलेज के सभी शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ भी उपस्थित रहे, जिन्होंने हवन यज्ञ में श्रद्धा और आस्था के साथ भाग लिया। छात्र-छात्राओं की सक्रिय उपस्थिति ने वातावरण को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ और सभी ने मिलकर नव सत्र को सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र 3 अगस्त को, ओशो की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर होगी चर्चा

हिसार, 1 अगस्त (महेन्द्र गोयल) : ओशो ध्यान उपवन में 3 अगस्त को प्रात:9 बजे से दोपहर 12 बजे तक ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र में ध्यान की विधियों का महत्व समझाते हुए उनका अभ्यास भी करवाया जाएगा। इस दौरान सतगुरु ओशो की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा भी की जाएगी। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने बताया कि 3 अगस्त के ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधक हिस्सा लेंगे। साधकों को ध्यान साधना का अभ्यास करवाते हुए उन्हें अपने भीतर गहरे उतरकर अलग अनुभूति का एहसास करवाया जाएगा। स्वामी संजय ने बताया कि ओशो के दुनियाभर में अनगिनत शिष्य हैं और लाखों लोग उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करते हैं। आज के दौर में ओशो की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर मंथन करने की आवश्यकता है। ओशो ने अध्यात्म को विज्ञान की तरह प्रस्तुत किया और ध्यान को जीवन के हर क्षण से जोड़ने का मार्ग भी प्रशस्त किया। ओशो ने ध्यान को जीवन जीने की कला माना है। उन्होंने साधकों को गतिशील ध्यान के प्रति जागरूक किया और समझाया कि इंसान के भीतर ऊर्जा का असीमित भंडार है। इस ऊर्जा का सही प्रयोग करके इंसान परम आनंद की प्राप्ति कर सकता है। स्वामी संजय ने कहा कि विज्ञान और तकनीक के इस युग में इंसान तनाव, अवसाद, भय व अशांति से घिरता जा रहा है। इन सभी के बीच ओशो की शिक्षाएं किस तरह से आनंद व प्रसन्नता की तरफ ले जा सकती हैं, इन सभी विषयों पर 3 अगस्त के ध्यान सत्र में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन साधकों के हितों के प्रति समर्पित है। यहां नियमित रूप से ध्यान सत्र व ध्यान शिविर आयोजित करके साधकों को तनाव रहित जीवन जीने के उपाय साझा किए जाते हैं।

विश्व फेफड़ा दिवस धूम्रपान विरोधी जागरूकता रैली निकाली गई

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : कैथल में नशा न करने बारे युवाओं को जागरूक किया गया, इस कार्यक्रम का शुभारंभ कैथल जिला उपायुक्त ने किया। इसी अभियान में लायंस क्लब सेंट्रल द्वारा एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य नशा मुक्ति धूमपान, विरोध प्लास्टिक एवं ड्रग्स विरोध जैसे सामाजिक अभियानों के प्रति जन जागरूकता फैलाना था, इस रैली में लगभग 600 छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्व भाग लिया राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैथल, राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैथल ,लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल, राजकीय स्कूल नंबर 4 कैथल, जूनियर रेड क्रॉस के सहयोग से यह अभियान संपन्न हुआ रैली का शुभारंभ कैथल जिला उपायुक्त प्रीति ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया यह रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी सभी प्रतिभागियों के लिए लायंस क्लब कैथल सेंट्रल द्वारा जलपान की व्यवस्था भी की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्लब प्रधान प्रवेश बंसल, पुनीत शर्मा, राजेंद्र, राकेश कौशिक, डॉक्टर धूप सिंह, अशोक गुलाटी, रोहित कालड़ा उपस्थित रहे।

थाना शहर जगाधरी की पुलिस की टीम ने लड़की से दुष्कर्म के आरोप में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 1 अगस्त (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए थाना शहर जगाधरी की पुलिस की टीम ने लड़की से दुष्कर्म के आरोप में एक आरोपी शौकीन को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के विरुद्ध बुधवार को पुलिस ने केस दर्ज किया। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। थाना प्रबंधक राजपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना बुडिया क्षेत्र के रहने वाली एक लड़की ने शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपी शौकीन उनके किराएदार के पास बुढ़िया में आता जाता था। वह उसे पर बुरी नजर रखने लगा और चुपके-चुपके पीछा करने लगा। वह जगाधरी में कंप्यूटर की कोचिंग लेने जाती थी करीब 1 साल पहले आरोपी उसकी जगाधरी बस स्टैंड पर मिला और कहने लगा कि आपसे कुछ बात करनी है मेरे साथ मेरी बहन के घर चलो। जब वह उसकी बहन के घर गई तो वहां उसने मुझे जबरदस्ती वहां पर चाय पिलाई। चाय पीने के बाद वह बेहोश हो गई और उसने बिना उसकी मर्जी के उसके साथ गलत काम किया और धमकी दी कि अगर तूने मेरे खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही करने की कोशिश की तो मैं तुझे जिंदा नहीं छोडूंगा। आरोपी की धमकियों के कारण वह बहुत ज्यादा डर और सहम गई थी। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर उसके साथ बार-बार गलत काम करता रहा। आरोपी शौकीन ने जिस लड़के के साथ मेरा रिश्ता हुआ था उसको उल्टा सीधा बोलकर मेरा रिश्ता भी तुडवा दिया। उसने मेरी ससुराल में सारी बात बता दी। इस शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए महिला एएसआई रजनी बाला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शौकीन पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी गांव सौंधे बांस जिला सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

राधे-राधे जपों चले आएगें बिहारी भजन से वातावरण हुआ श्री कृष्णमय

शाहाबाद मारकंडा, 1 अगस्त जुलाई (रूबी) : श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा मंदिर सभा द्वारा आयोजित प्रभातफेरियों की लडी में शुक्रवार की प्रभातफेरी का आयोजन संजय कोहली एवं सुमित अरोड़ा परिवार की ओर से मन्दिर प्रांगण में हुआ। संकीर्तन का आरम्भ रवि शर्मा द्वारा नमो भगवते वासुदेवाय के महामन्त्र के जाप से हुआ। पंडित कमलेश्वर प्रसाद ने पूजा अर्चना करवाई। मंदिर सभा की ओर से आयोजकों को स्मृति चिन्ह दिया गया। भजन मंडली में गिरीश आनंद, संजीव सचदेवा, नागेश शर्मा, वेद गगनेजा, प्रिंस सचदेवा, अजय कुमार, राघव वर्मा, अवशीष शर्मा ने भजन प्रस्तुत किए। राजू सपड़ा द्वारा गीता पाठ किया गया। इस अवसर पर सभा के चेयरमैन ढूंढराज आनंद, विधायक राम करण, विष्णु भगवान गुप्ता, सुशील शर्मा, महिंदर सुखीजा, हरीश विरमानी, कुलवंत शर्मा, अशोक भाटिया, इशू सचदेवा, प्रभजीत सिंह तनेजा, हरिंदर सिंह कोहली, गिरीश कोहली, सुभाष चंद, हरीश मुंजाल, चंद्र मोहन कोहली, अविनाश अरोड़ा, सुमित अरोड़ा, परमजीत पाहवा, विजय धवन, बलदेव राज मदान, विजय धवन, भगत राम गगनेजा, दरबारी लाल, नवनीत सचदेवा, शशि कपूर, विक्रम नरवाल, शशि कपूर, कृष्ण सचदेवा, टेक चंद मल्होत्रा, अमित सचदेवा, प्रवीण आहुजा सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में भक्तजनों पर बरस रही भोलेनाथ की अपार कृपा

करनाल, 1 अगस्त (संदीप रोहिला) : श्री राम मंदिर सेक्टर आठ में भोलेनाथ की अपार कृपा बरस रही है। सावन माह के 22वें दिन मुख्य यजमान के रूप में भारत विकास परिषद कृष्ण शाखा के अनिल मदान, रीता मदान, नीरज मेहता, सोनिया मेहता, अनीता चंदा और राघव चंदा ने शिरकत की। भोलेनाथ को दूध, दही, घी, शहद व शक्कर से पंचामृत स्नान करवाया गया। भोलेनाथ का श्रृंगार फूलों से भव्य रूप में किया गया। भोलेनाथ को बेलपत्र, मंजरी, गुलाल, यजोपवित् व फल अर्पित किए गए। मंदिर में उपलब्ध गंगाजल से प्रतिदिन श्रद्धालु

भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं।

इससे श्रद्धालुओं को मानसिक आनंद की प्राप्ति हो रही है। भोलेनाथ के चरणों में राघव चंदा का जन्मदिन मनाया गया। मुरारी बत्रा ने कहां छोटा सा नाम है मेरे महादेव का जपने लगो तो बड़े-बड़े काम हो जाते हैं। पंडित अनिल द्विवेदी एवं पंडित हरीश आचार्य ने विधिवत रूप से मुख्य यजमानों से पूजा अर्चना करवाई। भजनों की गंगा में आज वीना सेठ ने भोले बाबा ने पकड़ा मेरा हाथ हर पल रहता मेरे साथ अकेला मत समझो अरे मुझे अकेला मत समझो भजन गाया। सुशील मदान ने बम बम भोले जी का नाम बड़ा प्यारा शिव नाम होठों पर आ गया भजन गाया। अनु खट्टर ने राधे-राधे राधे राधे गाते रहना जल्दी-जल्दी वृंदावन आते रहना भजन गाया। इस अवसर पर अशोक मदान, मुरारी बत्रा, वेद दुआ, रश्मी गर्ग, ललिता मालिक, संदीप मल्होत्रा, रविंद्र तनेजा, रेनू तनेजा, रजत गुप्ता, रजनी गुप्ता, उषा कौशिक, रविंद्र बत्रा, अनिल छाबड़ा, विपिन कौशिक, ममता, चंद्रबाबू, सुरेश हिंदूजा, विजय कौशल व मंजू कौशल मौजूद रहे।

इग्नू ने दाखिलों की अंतिम तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाई : डा. धर्म पाल

इग्नू के शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि क्षेत्र में बनाएं करियर

करनाल, 1 अगस्त (संदीप रोहिला) : इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों को प्रवेश दे रहा है। कृषि नीति पर एक पीजी प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी ऑनलाइन मोड में पेश किया जाता है। डिप्लोमा कार्यक्रम उद्यमशील हैं और कृषि सम्बंधित क्षेत्रों में रोजगारपरक कौशल विकसित करने में सक्षम हैं। शैक्षिक कार्यक्रम डेयरी फार्मिंग, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, पोल्ट्री उत्पादन, रेशम उत्पादन, कृषि नीति, कृषि लागत प्रबंधन, जल और वाटरशेड प्रबंधन, डेयरी प्रौद्योगिकी, मांस प्रौद्योगिकी, फलों और सब्जियों से मूल्य वर्धित

उत्पाद, बागवानी के उभरते क्षेत्रों में पेश किए जाते हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के कार्यक्रमों ने नौकरी के व्यापक अवसरों और निरंतर सीखने और विकास की क्षमता के साथ एक आशाजनक कैरियर मार्ग की पेशकश की। यह व्यक्तियों को मूल्यवान कौशल से सुसज्जित करता है जिनकी कृषि-खाद्य उद्योग में उच्च मांग है। कृषि विद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम कृषि आधारित उद्योगों जैसे उर्वरक, कीटनाशक, बीज, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि मशीनरी आदि में पेशेवर बनने के लिए बेहद उपयोगी हैं। ये कार्यक्रम जैविक खेती जैसी कृषि स्टार्ट-अप गतिविधियों को शुरू करने में मदद करते हैं। वर्मीकम्पोस्ट, अनुबंध खेती, किसानों की उत्पादक कंपनियां, कृषि-इनपुट, प्रसंस्करण, कृषि-विपणन आदि। स्कूल मल्टीमीडिया सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग करके विभिन्न माध्यमों से अपने शिक्षार्थियों तक पहुंचता है। पाठ्यक्रम में डोमेन क्षेत्रों में ज्ञान और कौशल का आदान-प्रदान करने के लिए मुद्रित स्व-शिक्षण सामग्री और ऑडियो/वीडियो शामिल हैं। परामर्श सत्र नामित अध्ययन केंद्रों पर ऑफ़लाइन और रेडियो/टीवी/वेब परामर्श के माध्यम से ऑनलाइन भी आयोजित किए जाते हैं। इग्नू के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, युजी और पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिलों की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है।

बीड़ बबरान धाम में 3 अगस्त को आयोजित होगा श्याम बाबा का संकीर्तन

हिसार, 1 अगस्त (महेंद्र गोयल) : आध्यात्मिकता का संचार करने वाले बीड़ बबरान धाम में 3 अगस्त को आयोजित होने वाले श्याम बाबा के संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। इस दौरान श्याम बाबा के दरबार को विशेष रूप से सजाकर भव्य स्वरूप दिया जाएगा। श्रद्धालु श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर मन्नत मांगेंगे। सायं 4 बजे से रात्रि 7 बजे चलने वाले इस संकीर्तन में हिसार के विभिन्न गायक भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा से भक्तों का साक्षात्कार करवाएंगे। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि बीड़ बबरान धाम व श्याम बाबा के दरबार की दूर-दूर तक मान्यता है। अर्जी संकीर्तन के दौरान दूर-दूर के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर और आराधना करते हुए अर्जी लगाते हैं। अर्जी संकीर्तन में पधारने वाले भक्तों को बीड़ बबरान धाम में स्थापित श्याम बाबा के दरबार, वीर हनुमान के मंदिर, शिव परिवार, अखंड जोत, धूणे, घोड़े के पांव के निशान वाली शिला व मढ़ी के भी दर्शन करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ-साथ महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष व उसके अनूठे पत्तों के दर्शन का भी मौका मिलेगा।

साइबर अपराध से रहें सतर्क, ग्रुप चैट एवं करेंसी से जुड़े ऑनलाइन फ्रॉड से सावधानी आवश्यक

यमुनानगर, 1 अगस्त (संजीव कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला यमुनानगर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के दिशा-निर्देशानुसार जिले भर में साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों के प्रति नागरिकों को सचेत किया जा रहा है, विशेष रूप से सोशल मीडिया ग्रुपों में हो रहे नकली करेंसी लेन-देन एवं डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के मामलों को ध्यान में रखते हुए। वर्तमान में साइबर अपराधी व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया ग्रुपों में शामिल होकर स्वयं को सेना का अधिकारी, बैंक कर्मी या व्यापारी दर्शाते हैं। ये अपराधी लोगों को निम्नलिखित झूठे प्रस्ताव देकर ठगते हैं: नकली करेंसी की बिक्री, पुराने नोटों का सस्ते दामों पर एक्सचेंज, डिजिटल पेमेंट आदि के माध्यम से विशेष ऑफर, लोग इन पर विश्वास करके धनराशि स्थानांतरित कर देते हैं, जिसके

पश्चात अपराधी संपर्क से बाहर हो जाते हैं, जिससे आमजन को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है।

*सावधानी ही सुरक्षा है, निम्नलिखित बातों का अवश्य रखें ध्यान

1. किसी भी अनजान व्यक्ति या ग्रुप के साथ करेंसी अथवा पैसों से संबंधित लेन-देन न करें।
2. सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे संदिग्ध क्यूआर कोड या बैंक विवरणों पर किसी भी प्रकार का भुगतान न करें।
3. नकली ऑफ़र जैसे सस्ते नोट, पुराने नोट बदलने अथवा निवेश योजनाओं वि से संबंधित प्रलोभनों से सतर्क रहें।
4. किसी भी अज्ञात लिंक, मोबाइल एप्लिकेशन अथवा सॉफ्टवेयर को डाउनलोड न करें। 5. अपनी बैंकिंग/व्यक्तिगत जानकारी किसी भी व्यक्ति को साझा न करें।

पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जन-जागरूकता अभियान: जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा साइबर क्राइम पोर्टल www.cybercrime.gov.in की जानकारी दी जा रही है। सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क सक्रिय की गई है, जिससे पीड़ितों को त्वरित क सहायता उपलब्ध हो सके।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में पांच प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, 1 अगस्त (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। इस संबंध में घोषणा आज कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कर्मचारियों के साथ हुई एक बैठक में की।सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि कमेटी के कर्मचारी उनके लिए परिवार का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा किए जा रहे कार्यों में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कमेटी की रीढ़ की हड्डी के समान हैं। कमेटी के सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में कर्मचारियों के योगदान की प्रशंसा के लिए शब्द भी कम पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि कमेटी ने हमेशा कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा है और आगे भी रखेगी। उन्होंने बताया कि इस बार कर्मचारियों के वेतन 31 तारीख को जारी कर दिए गए हैं, और सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारियों के बकाया भी समय पर अदा किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 350वाँ प्रकाश पर्व कमेटी द्वारा बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है। इस महान दिवस को समर्पित बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं, जिनकी सफलता में कर्मचारियों की भूमिका सबसे अहम रहेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने कार्य के प्रति पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभा रहे हैं।

शहर में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ जल्द चलाया जाएगा विशेष अभियान : चिनार चहल

शाहाबाद मारकंडा, 1 अगस्त जुलाई (रूबी) : एसडीएम डा. चिनार चहल ने कहा कि शाहबाद शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नागरिकों के सहयोग की निहायत जरूरत है। इस शहर के सौन्द्रर्यकरण को बरकरार रखने के लिए सडकों और गलियों में अतिक्रमण करने वालों को अपना सामान हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कुछ समय दिया गया है। अगर इस समय अवधि के अंदर अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो सम्बन्धित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा।

एसडीएम डा. चिनार चहल ने दुकानदारों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन दुकानदारों और अन्य लोगों ने शहर के मुख्य मार्गों व बाजारों में अतिक्रमण किया हुआ है। उन सभी लोगों को अतिक्रमण हटाने की अपील प्रशासन द्वारा बार-बार की गई है और अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ समय भी दिया गया है। इस निर्धारित समय अवधि के

अंदर अतिक्रमण हटाकर प्रशासन का सहयोग करे ताकि शाहबाद शहर के सौंदर्यीकरण को बरकरार रखा जा सके और यातायात और ट्रैफिक जाम जैसी समस्या से निजात मिल सके। उन्होंने कहा कि अगर निर्धारित समय अवधि के अंदर अतिक्रमण नहीं हटा तो प्रशासन को मजबूरन कार्रवाई करके अतिक्रमण को हटाना पड़ेगा और इस कार्रवाई के दौरान सारा सामान भी जब्त किया जाएगा तथा नगरपालिका के नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा।

उन्होंने नगर पालिका सचिव और डीटीपी के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि शाहबाद शहर और आस-पास के क्षेत्र में सीएलयू के बिना कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से निर्माण कर रहा है, ऐसे लोगों पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करे और अवैध निर्माण को नियमानुसार गिराने का काम करे। सभी अधिकारी आदेशों की सख्ती से पालना करना सुनिश्चित करेंगे।

बिजली कर्मचारियों ने यूपीएस के विरोध में मनाया काला दिवस

सफीदों, 1 अगस्त (एस. के. मित्तल) : पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति के आह्वान पर शुक्रवार को बिजली बोर्ड सफीदों के कर्मचारियों ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम (यूपीएस) के विरोध में काला दिवस मनाया। इस दौरान कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर सरकार के खिलाफ रोष जताया। अपने संबोधन में कर्मचारी नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन को खत्म करके एनपीएस व यूपीएस लागू की है, जोकि कर्मचारियों के लिए सही नहीं है। एनपीएस व यूपीएस शेयर बाजार के सहारे ग्रोथ करती है, जिसको लेकर रिटायमेंट के समय कर्मचारियों को भय बना रहता है क्योंकि सबकुछ शेयर बाजार पर निर्भर रहता है। कर्मचारी अन्य विकल्पों की बजाए केवल ओपीएस लागू करवाना चाहते हैं। इस मौके पर संजय शर्मा, कप्तान सिंह, जितेंद्र भारद्वाज, सुमित मलिक, राकेश चंद्र, मनोज कुमार, बसाऊ राम शर्मा, रामनिवास, सुरेश कुमार, दर्शन लाल, सुंदर वर्मा व शंकरलाल शर्मा मौजूद थे।

पेड़-पौधों से पृथ्वी पर होता है मानव जीवन साकार : बचन सिंह आर्य

सफीदों, 1 अगस्त (एस. के. मित्तल) : नगर के आर्य सदन में कार्यकर्त्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्यातिथि सूबे के पूर्व कृषि आबकारी एवं कराधान मंत्री बचन सिंह आर्य ने शिरकत की। कार्यकर्त्ताओं ने बचन सिंह आर्य का फूलों की मालाएं पहनाकर जोरदार अभिनंदन किया। बैठक में उपस्थित सैंकड़ों कार्यकर्त्ताओं ने पौधारोपण का संकल्प लिया। सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में विशेष मौकों पर पौधारोपण जरूर करेंगे और उनकी बच्चों की तरह से देखभाल भी जरूर करेंगे। अपने संबोधन में बचन सिंह आर्य ने कहा कि पेड़-पौधों से पृथ्वी पर मानव जीवन साकार होता है। पेड़-पौधे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि भोजन, आश्रय, और कई अन्य आवश्यक संसाधन भी देते हैं। पेड़-पौधों के बिना, पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं होगा। वे वायुमंडल को शुद्ध करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और जलवायु को स्थिर रखने में मदद करते हैं। पेड़-पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है और हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। बचन सिंह आर्य ने वृंदावन के जाने-माने संत प्रेमानंद महाराज द्वारा लड़कियों के चरित्र पर की टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि उनका यह बयान आपत्तिजनक है और समाज में महिलाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करता है। आर्य ने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज बड़े अच्छे संत है और विश्व भर में उनके करोड़ो फालोवर है लेकिन उनकी यह टिप्पणी विदेशी लड़कियों पर तो लागू हो सकती है लेकिन भारतीय लड़कियों पर नहीं। यहां की बेटियों के उज्जवल चरित्र, सतीत्व व आचरण की अपने आप में एक मिशाल है और उनसे इतिहास भरे पड़े हैं। अपने चरित्र व आचरण के लिए इस देश की महिलाओं व लड़कियों ने अनेक बाद बलिदान तक दिए हैं।

सामाजिक संस्थाएं जागरूकता फैलाने में बखूबी निभा रही है अपनी भागीदारी : डीसी

कैथल, 1 अगस्त (प्रवेश बहादुर) : डीसी प्रीति ने कहा कि समाज में जागरूकता फैलाकर नई पीढ़ी को नई दिशा दिखाने के कार्य में हम सबकी भागीदारी आवश्यक है। हमें सबसे पहले स्वयं को जागरूक होना है तथा नागरिक दायित्वों को अच्छे से निभाना है। इसके बाद हमें अपने परिवार और आसपास के समुदाय को जागरूक करना है। सामाजिक संस्थाएं जागरूकता फैलाने में अपनी भागीदारी बखूबी निभा रही है, जोकि काफी सराहनीय है।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय में लायंस क्लब कैथल सैंटर्ल द्वारा नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत विश्व फेफड़े कैंसर दिवस के उपलक्ष में शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित जागरूकता रैली का शुभारंभ करने उपरांत बोल रही थीं।

इस जागरूकता रैली में प्लास्टिक, स्मोकिंग और ड्रग्स का त्याग करने के संदर्भ में शहर वासियों को जागरूक किया गया। इसमें राजकीय प्राइमरी स्कूल नंबर 4 तथा लीटल फ्लावर स्कूल के विद्यार्थी शामिल थे। यह जागरूकता रैली लघु सचिवालय से नए बस स्टैंड तथा कुरुक्षेत्र रोड पर पहुंची। डीसी प्रीति ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग करना पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंचाता है। प्लास्टिक आसानी से नष्ट नहीं होता। प्लास्टिक के कण भोजन और पानी में मिलकर कैंसर, हार्मोन असंतुलन और अन्य बीमारियां फैलाते हैं। हर प्रकार का प्लास्टिक रिसायकल नहीं किया जा सकता और अधिकतर प्लास्टिक कचरे के रूप में जमा होता है। प्लास्टिक बनाने और जलाने की प्रक्रिया में भारी मात्रा में ग्रीन हाउस गैसें निकलती है। उन्होंने आमजन का आह्वान करते हुए कहा कि वे कपड़े या जूट के थैले, स्टील या कांच की बोतलें का उपयोग करें। इसी तरह से स्मोकिंग व ड्रग्स एक बुरी लत है और यह कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। इसलिए हमें इनसे दूर रहना है। इस मौके पर संस्था के प्रधान प्रवेश बंसल, सचिव पुनीत शर्मा, राजेंद्र पठानिया, डॉ. धूप सिंह धनखड़, राकेश कौशिक व स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्काउट एवं गाइड के बच्चे हमेशा खड़े रहते है अग्रणी पंक्ति में : अनिल सैनी

करनाल, 1 अगस्त (संदीप रोहिला) : स्कूल राजकीय प्राथमिक पाठशाला सेक्टर-13 करनाल में भारत स्काउट एवं गाइड की कब बुलबुल इकाई द्वारा जिला संगठन आयुक्त अनिल सैनी के नेतृत्व में विद्यालय स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अग्रकुल सेवा संस्था द्वारा स्थानीय स्कूल राजकीय प्राथमिक पाठशाला सेक्टर-13 करनाल में भारत स्काउट एवं गाइड की कब बुलबुल इकाई द्वारा जिला संगठन आयुक्त अनिल सैनी के नेतृत्व में विद्यालय स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अग्रकुल सेवा संस्था के प्रधान विनोद गुप्ता ने भाग लिया। जिला संगठन आयुक्त अनिल सैनी द्वारा अग्रकुल सेवा संस्था समिति के सदस्यों का स्कार्फ वोगल से स्वागत किया। उहोने बताया कि हमारी कब बुलबुल इकाई जिला करनाल के विभिन्न विद्यालयों में काम कर रही है। जिसमें किसी भी प्रकार के जागरूकता अभियान चलाना तथा पेड़ पौधों की रक्षा करना कार्य करती है। उन्होंने स्काउटिंग के इतिहास के बारे में भी अवगत करवाया कि बच्चा 5 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक कब एवं बुलबुल कहलाता है तथा 10 वर्ष से 17 वर्ष की आयु तक स्काउट एवं गाइड कहलाता है । वह अपने

नियमों में बंद कर काम करता है। जिससे समाज में अच्छे नागरिक तैयार करने में सहयोग किया जाता है। यही बच्चे देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। चाहे किसी भी प्रकार की आपदा हो या कोई भी भलाई का कार्य करना हो स्काउट एवं गाइड के बच्चे हमेशा अग्रणी पंक्ति में खड़े रहते हैं। जिला संगठन आयुक्त अनिल सैनी ने समाज सेवी संस्था से आग्रह किया कि हमें विद्यालय की यूनिट के लिए कुछ स्काउट यूनिफॉर्म की आवश्यकता है। इस कार्य को स्वीकृति प्रदान करते हुए अमित गोयल ने स्काउट गाइड/कब बुलबुल की 15 यूनिफॉर्म दान दी । इस कार्य के लिए विद्यालय मुखिया सपना पुरी ने सभी आगन्तुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस कार्य के लिए बहुत धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ एस के गोयल भूतपूर्व प्रधान अग्रकुल सेवा संस्था, दीपक गुप्ता कोषाध्यक्ष ने इस कार्य के लिए विद्यालय स्टाफ एवं जिला संगठन आयुक्त की बहुत प्रशंसा की तथा इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी करते रहने के लिए प्रेरित किया। इस कार्य में सहयोग के लिए विद्यालय मुखिया सपना पूरी,सुनील अरोड़ा, कर्ण सिंह, भारती, रिचा, प्रमिला गीता, रेखा, कमलेश ,अंजू डागर, अंजू रानी, सुमन, अनामिका, डिम्पी आदि ने सहयोग किया।

श्री श्याम सेवा समिति ने किया परम श्रद्धेय आचार्य श्रीराम प्रपन्नाचार्य जी महाराज का भव्य सम्मान

तरावड़ी, 1 अगस्त (छाया शर्मा) : श्री श्याम सेवा समिति तरावड़ी द्वारा शुक्रवार को परम श्रद्धेय आचार्य श्रीराम प्रपन्नाचार्य जी महाराज का सम्मान अभिनंदन किया गया। यह सम्मान श्री महाकाली महाकालेश्वर सिद्धपीठ मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा के पावन अवसर पर संपन्न हुआ। आचार्य श्रीराम प्रपन्नाचार्य जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए धार्मिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल परंपरा नहीं, आत्मिक उन्नति का साधन हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में संयम, सदाचार और संस्कारों की स्थापना होती है। समिति के

संयोजक तरुण बंसल, अशोक गोयल, विजय सिंगला, नवीन गोयल व हर्ष ने भी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ कथा में भाग लिया तथा सामूहिक आरती में हिस्सा लेकर भक्ति रस में सराबोर हो गए। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से युवाओं को धार्मिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्री महाकाली महाकालेश्वर सिद्धपीठ परिसर में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने श्रीराम कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन की सफलता के लिए समिति ने मंदिर के आचार्य पंडित शुभम शास्त्री और समस्त भक्तों का आभार व्यक्त किया।

विश्व लंग कैंसर दिवस पर दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में नशे के विरुद्ध किया जागरूक

जगाधरी, 1 अगस्त (रोहताश कुमार) : हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्री मोहित हांडा, भापुसे और पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार के प्रयासों से हरियाणा में नशे पर नियंत्रण किया जा रहा है। नशे पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों की धरपकड़ पुरे भारत में की जा रही है तो दूसरी और नशे के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान भी चलाये जा रहे हैं। नशा मुक्त अभियान को लेकर ब्यूरो संवेदनशील है। यही कारण है कि प्रतिदिन हरियाणा में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे हैं। उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन और

पुलिस उपाधीक्षक गजेंद्र सिंह की देखरेख में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा साइकिल पर नमक लोटा लेकर हरियाणा के गाँव गाँव नशा मुक्ति का सन्देश लेकर पहुंच रहे हैं।

वे आज विश्व लंग कैंसर दिवस पर यमुनानगर पहुंचे और दयाल सिंह पब्लिक स्कूल जगाधरी में नशे के विरुद्ध 100 वां एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्या पारुल कुमार की अध्यक्षता और नीरज गहलावत के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में 300 से अधिक छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशे के कारण घर और परिवार, समाज बहुत अधिक प्रभावित हो रहा है। घर बिखर रहे हैं। समय से पूर्व युवा नशे की दलदल में जाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने पर उतारू हैं। उन्होंने प्रतिबंधित और चेतावनी युक्त दो प्रकार के नशों को परिभाषित करते हुए कहा कि यद्यपि दोनों प्रकार बहुत अधिक घातक है तो भी प्रतिबंधित बहुत ही अधिक क्षतिकारक है। उन्होंने हुक्के पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि यह भी समाज में एक भ्रान्ति के रूप में बढ़ रहा है जो आगे ई -हुक्का में परिवर्तित हो रहा है जो चिंता का विषय है। इसका भी त्याग बहुत अधिक आवश्यक है। उन्होंने आगे बताया कि कोई भी व्यक्ति हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 90508891508 पर अथवा 1933 पर अथवा पोर्टल पर नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं देकर सच्चे नागरिक का कर्तव्य निर्वहन कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गई।

ग्राम पंचायत किशनपुरा ने युवाओं को प्रदान की खेल किट

जगाधरी, 1 अगस्त (रोहतास कुमार) : ग्राम पंचायत किशनपुरा द्वारा युवाओं को प्रदान की गई खेल की किट युवाओं को खेल के प्रति किया जागरूक। जानकारी देते हुए किशनपुरा गांव के सरपंच प्रतिनिधि सचिन वालिया ने बताया कि ग्राम पंचायत की तरफ से युवाओं को क्रिकेट किट और खेलने का पूरा मैदान तैयार करवा कर दिया गया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि युवा खेलों की तरफ ध्यान दें इससे वह नशे जैसी बीमारियों से भी दूर रहेंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि खेल के प्रति खेल की भावना से खेलने से देश और खिलाड़ी के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके साथ-साथ ग्रामीण स्तर से खेलने की शुरुआत से युवा अपने खेल की प्रतिभा में भी सुधार ला सकते हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह आगामी भविष्य में भी खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन के लिए हमेशा प्रयास करते रहेंगे।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन के प्रचार संयोजक बने नरवाना के अचल मित्तल

नरवाना, 1 अगस्त (नरेंद्र सिंहमार) : जीन्द में अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा आगामी 07 सितम्बर को जीन्द के अग्रसेन स्कूल में ऐतिहासिक विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के प्रदेशाध्यक्ष राजकुमार गोयल ने नरवाना के अचल मित्तल को कार्यक्रम का प्रचार संयोजक नियुक्त किया है। गौरतलब है कि अचल मित्तल प्रदेश व्यापार मंडल के संगठन मंत्री व पूर्व हल्का अध्यक्ष रह चुके हैं।वे शहर की अनेक सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। मित्तल ने यह उत्तरदायित्व सौंपने पर राजकुमार गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सावर गर्ग व समस्त कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया व कहा कि जो उत्तरदायित्व उन्हें सौंपा गया है,वह पूरे मनोयोग से पूरा करेंगे। इस कार्य के लिए वे पहले ही संपर्क अभियान शुरू कर चुके हैं। नरवाना क्षेत्र से अच्छी भागीदारी को लेकर वे प्रयासरत हैं। उनके संयोजक बनने पर श्रीरामा भारतीय कला केंद्र,मानव मित्र मंडल, प्रगतिशील समाज, लायंस क्लब, जैन यूनिटी ग्रुप, संगमेश्वर सेवा संघ, नारायण सेवा संस्थान इत्यादि सामाजिक-धार्मिक संगठनो ने बधाई दी है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में भव्य आयोजन

चंडीगढ़, 1 अगस्त (निस) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हिंद दी चादर सिख गुरु श्री तेग बहादुर जी का हरियाणा की धरती पर 26 ऐतिहासिक गुरुद्वारों में उनके चरण पड़े हैं। 25 नवंबर को उनके 350वें शहीदी दिवस को हरियाणा सरकार कुरुक्षेत्र में भव्य तरीके से मनाएगी। मुख्यमंत्री आज यहां श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।बैठक में जानकारी दी गई कि इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्य स्तरीय कार्य समिति तथा राज्य स्तरीय एक्जीक्यूटिव कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी की बैठक आगामी 6 अगस्त को बुलाई गई है, जिसमें हरियाणा सरकार की ओर से दिए जाने वाले सहयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम से कम 5 ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन हो जो श्री गुरु तेग बहादुर से जुड़े हों। उनके नाम से पौधारोपण, मैराथन, बाइक रैली, लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया जाए। श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं और धर्म की रक्षा के लिए उनकी शहादत का संदेश देने के लिए अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह से प्रदेश के अलग—अलग स्थानों से चार शोभायात्राएं निकाली जाएंगी, जिनका समापन 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में किया जाएगा।बैठक में इस बात की भी जानकारी दी गई कि कार्यक्रम का एक लोगो भी तैयार किया जाएगा। इसके अलावा सोशल मीडिया पेज भी बनाया जाएगा।बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, डॉ. अमित अग्रवाल के अलावा अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में रेबीज के मामले बढ़ रहे

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली में जनवरी से जुलाई तक रेबीज के 49 मामले सामने आए। इसी दौरान 65,000 से ज्यादा आवारा कुत्तों की नसबंदी और वैक्सीनेशन किया गया। एमसीडी ने अभियान तेज कर दिया है। राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक रेबीज के 49 मामले सामने आए हैं, जबकि एमसीडी की ओर से 65,000 से ज्यादा आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया गया है। यह जानकारी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के ताजा आंकड़ों से सामने आई है। जनवरी से जून 2025 तक दिल्ली में जानवरों के काटने की कुल 35,198 घटनाएं दर्ज की गई हैं। एमवीआईडी अस्पताल में रेबीज के केस दर्ज किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इन मामलों के बाद रेबीज से बचाव के लिए समान संख्या में एंटी रेबीज वैक्सीन भी लगाई गई हैं। एमसीडी के मुताबिक, 25 जनवरी से 25 जून 2025 के बीच कुल 65,031 आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई है। निगम का कहना है कि कुत्तों की बढ़ती आबादी और रेबीज के खतरे को कम करने के लिए ये कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। वर्ष 2023-24 में 79,959 और 2022-23 में 59,076 कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है। आने वाले समय में दिसंबर 2025 तक 97,994 कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। हाल के महीनों में दिल्ली के कई इलाकों से आवारा कुत्तों के हमले की खबरें सामने आई हैं। इसको लेकर लोगों में डर और नाराजगी दोनों बढ़े हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन्हीं चिंताओं को देखते हुए एमसीडी ने अपना अभियान तेज कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

उधर मौत को चकमा देकर घर लौट आया बच्चा

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दक्षिणी दिल्ली के रजोकरी गांव के एमसीडी नाले में गिरने वाला सात का साल बच्चा ईश्वर की कृपा से बच गया। वह नाले में गिरने के बाद करीब 20 फीट तक बहकर बाहर निकल गया और अपने घर चल गया। जबकि पुलिस व गोताखोर उसे रातभर तलाश करते रहे। वहीं, जब सुबह पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज में वह नजर आया तो चेन की सांस ली। इसके बाद पुलिस उसके घर पहुंची तो बच्चा सुरक्षित मिला। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि गुरुवार दोपहर 1:24 बजे वसंत कुंज दक्षिण थाना में एक पीसीआर काल प्राप्त हुई थी। इसमें बताया गया कि एक बच्चा रजोकरी गांव में शिव मंदिर के पास बरसाती नाले में गिर गया।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज चल रही तेज हवाएं

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाएं चल रही है। मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम में बदलाव होने से दिल्लीवासियों को उमस से राहत मिली है। इससे पहले गुरुवार को भी कई इलाकों में मध्यम बारिश हुई।

पत्नी भी एक सम्मानजनक जीवन जीने की हकदार अदालत ने इस मामले में की ये अहम टिप्पणी

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) तीस हजारी स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि पत्नी कमा सकती है या शिक्षित है, उसे भरण-पोषण देने से इनकार नहीं किया जा सकता है। विशेष न्यायाधीश भूपिंदर सिंह ने कहा कि पत्नी को न केवल जीने का अधिकार है, बल्कि अपने पति की सामाजिक स्थिति के अनुरूप एक सम्मानित जीवन जीने का अधिकार है विशेष न्यायाधीश भूपिंदर सिंह ने तलाक के मामले में अपनी पत्नी को दिए गए 6,022 रुपये की अंतरिम भरण-पोषण राशि को उचित ठहराते हुए पति की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि भरण-पोषण का उद्देश्य पत्नी को गरीबी से बचाना है न कि पति को दंडित करना।

दिल्ली में पुलिस ने चलाया सर्च अभियान बच्चों समेत 801 लोगों को ढूंढ़ा

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने पिछले सात महीनों में संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए 801 लोगों को उनके परिवार से मिलाया है। लापता होने वालों में बच्चे, बुजुर्ग सहित अन्य शामिल थे। पुलिस ने मुखबिर व सर्विलांस की मदद से सभी को सुरक्षित बरामद कर उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बरामद किए गए लापता लोगों में 258 किशोर भी शामिल हैं। पुलिस ने क्षेत्र में किसी भी बच्चे व अन्य व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलते ही सर्च अभियान चलाया। इसके तहत मुखबिर व तकनीकी की मदद से उन्हें सुरक्षित बरामद किया।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

बसंत कुंज में खुले सीवर में गिरा बच्चा अब तक नहीं चला पता, तलाश जारी

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस)दिल्ली के वसंत कुंज में गुरुवार दोपहर एक बच्चा खुले सीवर में गिर गया, जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू किया गया। पुलिस, दमकल और एमसीडी की टीमें मिलकर बचाव कार्य में जुटी हैं। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में दोपहर एक दर्दनाक घटना घट गई। बारिश के समय खेलते हुए दो बच्चे अपने घर जा रहे थे, जल जमाव के कारण दोनों खुले सीवर में जा गिरे, उसमें से एक बच्चा तो बच गया लेकिन एक अब तक नहीं मिल पाया है। यह घटना रजोकरी गांव स्थित एमसीडी स्कूल के पास शिव मंदिर के नजदीक हुई। अभी तक बच्चे या उसके माता-पिता की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बचाव कार्य तुरंत शुरू हो गया। इस घटने की सूचना 1:24 बजे वसंत कुंज दक्षिण थाने में पीसीआर कॉल के माध्यम से मिल। स्थानीय बच्चों ने बच्चे को सीवर में गिरते देखा और आसपास के लोगों को बताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग और अन्य एजेंसियों को अलर्ट किया।

बचाव कार्य के लिए एक जेसीबी मशीन मंगाई गई, जिसने सीवर चैंबर को खोला गया। वसंत कुंज अग्निशमन केंद्र से 4 दमकल कर्मियों की टीम भी मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान में शामिल हुई। एमसीडी के इस खुले सीवर को स्थानीय स्तर पर सुरक्षा घेरे के बिना पाया गया, जिससे हादसा हुआ।

दिल्ली में फर्जी ट्रेडिंग गिरोह का पर्दाफाश

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल की टीम ने फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म के जरिये देशभर में सैकड़ों लोगों से सौ करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने साइबर गिरोह के चार प्रमुख आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह इंटरनेट मीडिया और फर्जी निवेश वेबसाइटों के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाकर भारी रकम ठगता था। गिरफ्तार आरोपितों को पंजाब के लुधियाना से दबोचा गया, जिनकी पहचान सनी मिश्रा, कुलदीप कुमार, गौरव और सुमित प्रधान के रूप में हुई है।

ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण के खिलाफ चला बुलडोजर

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (निस) ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बिसरख एमनाबाद क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 18 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन को कब्जामुक्त कराया। यह जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त संपत्ति थी, जिस पर अवैध निर्माण कर कब्जा किया जा रहा था। प्राधिकरण को सूचना मिली थी कि खसरा संख्या 225 में कुछ लोगों ने आरएमसी प्लांट स्थापित कर चारदीवारी खड़ी कर दी है, और वहां कमरे बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एन. जी. रवि कुमार के निर्देश पर एसीईओ सुमित यादव ने वर्क सर्किल-3 की टीम को जांच के लिए भेजा। जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होने पर बुधवार शाम को वर्क सर्किल-3 के प्रभारी राजेश कुमार निम के नेतृत्व में मैनेजर रोहित गुप्ता और उनकी टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद एसीईओ सुमित यादव ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर किसी प्रकार के अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली की सड़कों से गायब होंगे आवारा कुत्ते

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली में आवारा कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं पर सरकार ने सख्ती दिखाई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में रिलोकेशन को लेकर कानूनी बदलाव पर चर्चा हुई। दिल्ली में आवारा कुत्तों और मवेशियों के हमलों की घटनाएं दिन ब दिन चिंताजनक रूप लेती जा रही हैं। हाल ही में एक 6 साल की बच्ची की कुत्ते के काटने से मौत के बाद मामला और गंभीर हो गया है। इसी के मद्देनज़र बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें इस समस्या से निपटने के लिए कानूनी बदलाव सहित कई उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में यह विचार सामने आया कि यदि अदालत की अनुमति मिले, तो इन कुत्तों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया पर विचार किया जा सकता है। दिल्ली सरकार 2023 में संशोधन पर विचार कर रही है, जो अभी सिर्फ नसबंदी की अनुमति देते हैं, लेकिन दूसरी जगह शिफ्ट करने की नहीं। सरकार कोर्ट का रुख करने की योजना बना रही है, ताकि गंभीर मामलों में आवारा कुत्तों को अन्यत्र भेजने की अनुमति मिल सके।

दिल्ली में करंट से बहन-भाई की दर्दनाक मौत, पिता गंभीर रूप से घायल मचा कोहराम

नई दिल्ली 1 अगस्त (निस) दिल्ली के बेगमपुर में घर की सीढ़ी में करंट आने से भाई-बहन की मौत हो गई, पिता घायल हैं। परिजन और स्थानीय लोग बिजली विभाग पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दिल्ली के रोहिणी जिला स्थित बेगमपुर इलाके के राजीव नगर में बीती रात अपने ही घर में बहन, भाई और पिता समेत तीन लोग करंट की चपेट में आ गए, जिसमें से 2 लोगों (बहन-भाई) की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके पिता करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है।भाई का नाम विवेक है, जोकि 26 साल का है, जबकि मृतक बहन का नाम अंजू है, जिसकी उम्र 28 साल थी। मृतक के चाचा ने बताया कि बीती रात को करीब साढ़े 10 बजे, घर में बनी लोहे की सीढ़ी में अचानक से करंट आ गया, जिसमें सबसे पहले उनके भतीजे विवेक को करंट लगा। विवेक बिजली के करंट की वजह से सीढ़ी से चिपक गया। उसे बचाने के लिए उसकी बहन अंजू ने जैसे ही अपने भाई को छुड़ाने के लिए पकड़ा, तो वह भी करंट की चपेट में आ गई।

हरियाणा सरकार

"युवाओं को नौकरी देने का हमारा अभियान निरंतर जारी है। भारत सरकार रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध कराने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।"
- नरेन्द्र मोदी

असरदार सरकार - सुशासन ही आधार

ग्रुप 'डी' वर्ग के नव-नियुक्त सरकारी कर्मचारियों का
राज्य स्तरीय सम्मेलन

2 अगस्त, 2025 | दोपहर 12 बजे | इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, सैक्टर-5, पंचकूला

मुख्य अतिथि
श्री नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

- वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पारदर्शिता एवं मैरिट के आधार पर लगभग 1.75 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई
- अनुबंधित कर्मचारियों की नौकरी सेवानिवृत्ति तक सुरक्षित, 5 वर्ष पूरे करने वाले अनुबंधित कर्मचारी होंगे नीति के लाभपात्र
- HKRNL द्वारा लगभग 23 हजार युवाओं को दी नौकरियां
- ग्रुप 'सी' व 'डी' की भर्तियों में साक्षात्कार को किया समाप्त
- बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं से छुटकारे के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा (CET) का किया प्रावधान
- युवाओं को विदेश भेजने हेतु ओवरसीज प्लेसमेंट सेल की स्थापना

आप सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा के WhatsApp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana